सामान्य ज्ञान ग्रुप

GENERAL KNOWLEDGE

THE WAY TO ACHIEVE YOUR GOALS

श्री सुनील बैरासर
ग्रुप संस्थापक
चूरू
Mob.9610009098

श्री लोकेश स्वामी
ग्रुप संचालक
सवाई माधोपुर
Mob.9015746713

श्री ओम प्रकाश पंवार
ग्रुप एडमिन
घड़साना, श्री गंगा नगर
Mob.9672910002

श्री रामनिवास रोहिला
ग्रुप एडमिन
बीकानेर
Mob.9783022409

Website - www.samanyagyanedu.in

सोशल मीडिया की नई पहल -सहयोग आपका प्रयास हमारा

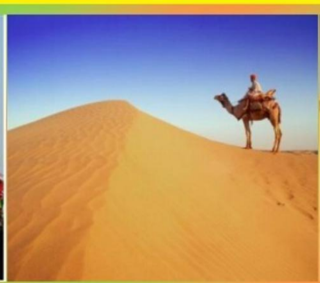

शिक्षा मनोविज्ञान

शिक्षा -

शिक्षा शब्द संस्कृत भाषा के "शिक्ष" धातु से बना है। जिसका अर्थ है सीखना या सिखाना।"शिक्षा" शब्द का अंग्रेजी समानार्थक शब्द "Education" (एजुकेशन) जो की लेटिन भाषा के "Educatum"(एजुकेटम) शब्द से बना है तथा "Educatum"(एजुकेटम) शब्द स्वयं लैटिन भाषा के E (ए) तथा Duco (ड्यूको) शब्दों से मिलकर बना है। E (ए) शब्द का अर्थ है 'अंदर से' और Duco (ड्यूको) शब्द का अर्थ है 'आगे बढ़ना'। अतः "Education" का शाब्दिक अर्थ 'अंदर से आगे बढ़ना' है।

लेकिन लैटिन भाषा के "Educare"(एजुकेयर) तथा "Educere" (एजुशियर) शब्दों को भी "Education"(एजुकेशन) शब्द के मूल के रूप में स्वीकार किया जाता है। जिसका अर्थ है **'नेतृत्व देना, बाहर लाना'** । दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि "शिक्षा" शब्द का प्रयोग व्यक्ति या बालक की आन्तरिक शक्तियों को बाहर लाने अथवा विकसित करने की क्रिया से लिया जाता है। भारतीय मनीषियों ने **'सा विद्या या विमुक्तये'** कहकर शिक्षा को मुक्ति का साधन माना है। शिक्षा बालक में अन्तर्निहित शक्तियों को उभारकर उन्हें पूर्ण विकसित करती है।

शिक्षा की परिभाषायें -

1. फ्रा ॅबेल के अनुसार, "शिक्षा एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक बालक अपनी शक्तियों का विकास करता है।
2. स्वामी विवेकानंद के अनुसार, "मनुष्य में अन्तर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है।"
3. महात्मा गांधी के अनुसार, "शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक या मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क या आत्मा के सर्वांगीण एवं सर्वोत्तम विकास से है।"
4. अरस्तु के अनुसार, "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण करना ही शिक्षा है।"
5. पेस्टा ॅला ॅजी के अनुसार, "मानव की आंतरिक शक्तियों का स्वभाविक व सामंजस्यपूर्ण प्रगतिशील विकास ही शिक्षा है।"
6. हरबर्ट स्पेन्सर के अनुसार, "शिक्षा से तात्पर्य है अन्तर्निहित शक्तियों तथा बाह्य जगत के मध्य समन्वय स्थापित करना है।"

मनोविज्ञान

मनोविज्ञान शब्द का शाब्दिक अर्थ 'मन का विज्ञान' है। मनोविज्ञान शब्द का अंग्रेजी समानार्थक शब्द "Psychology" (साइकोलॉजी) है जो की यूनानी (ग्रीक) भाषा के शब्दों "Psyche"(साइके) और "Logos"(लोगास) के मिलने से बना है। Psyche (साइके) शब्द का अर्थ "आत्मा" और Logos (लोगास) शब्द का अर्थ होता है "अध्ययन"। अतः मनोविज्ञान का शाब्दिक अर्थ है – "आत्मा का अध्ययन"।

मनोविज्ञान की परिभाषायें -

1. वाटसन के अनुसार, " मनोविज्ञान, व्यवहार का निश्चित या शुद्ध विज्ञान है।"
2. वुडवर्थ के अनुसार, " मनोविज्ञान, वातावरण के सम्पर्क में होने वाले मानव व्यवहारों का विज्ञान है।"
3. मैक्डूगल के अनुसार, " मनोविज्ञान, आचरण एवं व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है।"
4. क्रो एण्ड क्रो के अनुसार, " मनोविज्ञान मानव - व्यवहार और मानव सम्बन्धों का अध्ययन है।"
5. बोरिंग के अनुसार, " मनोविज्ञान मानव प्रकृति का अध्ययन है।"

6. स्किनर के अनुसार, " मनोविज्ञान, व्यवहार और अनुभव का विज्ञान है।"
7. मन के अनुसार, "आधुनिक मनोविज्ञान का सम्बन्ध व्यवहार की वैज्ञानिक खोज से है।"
8. गैरिसन व अन्य के अनुसार, " मनोविज्ञान का सम्बन्ध प्रत्यक्ष मानव - व्यवहार से है।"
9. गार्डनर मर्फी के अनुसार, " मनोविज्ञान वह विज्ञान है, जो जीवित व्यक्तियों का उनके वातावरण के प्रति अनुक्रियाओं का अध्ययन करता है।"।

शिक्षा मनोविज्ञान

शिक्षा मनोविज्ञान दो शब्दों के मिलने से बना है, शिक्षा+मनोविज्ञान। जिसका शाब्दिक अर्थ है, "शिक्षा से सम्बन्धित मनोविज्ञान"। शिक्षा सम्बन्धी मनोविज्ञान अर्थात यह शिक्षा की प्रक्रिया में मानव व्यवहार का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। शिक्षा मनोविज्ञान के अन्तर्गत मनोविज्ञान के संप्रत्ययों, सिद्धांतो तथा विधियों का प्रयोग शैक्षणिक परिस्थितियों को उन्नत बनाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार मनोविज्ञान के सिद्धान्तों का शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग करना ही शिक्षा मनोविज्ञान कहलाता है।

- शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक परिस्थितियों में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को अधिक सरल व सुगम बनाता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति वैज्ञानिक है, क्योंकि इसके अध्ययन में वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग होता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान में मनोविज्ञान के सिद्धांतो व विधियों का प्रयोग होता है।
- मनोविज्ञान मानव व्यवहार का अध्ययन करता है और शिक्षा मानव व्यवहार में परिवर्तन करती है, अतः शिक्षा और मनोविज्ञान में गहन सम्बन्ध है।
- शिक्षा मनोविज्ञान का केंद्र मानव व्यवहार है।
- शिक्षा मनोविज्ञान खोज और निरिक्षण से प्राप्त तथ्यों का संग्रह करता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान संगृहीत ज्ञान को सिद्धान्त रूप देता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा की समस्याओ के समाधान के लिए पद्धतियों का प्रतिपादन करता है।

शिक्षा मनोविज्ञान की परिभाषाएँ -

1. स्टीफन के अनुसार, "शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षणिक विकास का क्रमिक अध्ययन है।"
2. क्रो एण्ड क्रो के अनुसार, "शिक्षा मनोविज्ञान, व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक के अनुभवों का वर्णन तथा व्याख्या करता है।"
3. स्किनर के अनुसार, "शिक्षा मनोविज्ञान के अन्तर्गत शिक्षा से सम्बन्धित सम्पूर्ण व्यवहार और व्यक्तित्व आ जाता है।"
4. कॉलसनिक के अनुसार, "मनोविज्ञान के सिद्धान्तों व परिणामों का शिक्षा के क्षेत्र में अनुप्रयोग ही शिक्षामनोविज्ञान कहलाता है।"
5. सॉरे व टेलफोर्ड के अनुसार, "शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य सम्बन्ध सीखने से है। यह मनोविज्ञान का वह अंग है, जो शिक्षा के मनोवैज्ञानिक पहलुओं की वैज्ञानिक खोज से विशेष रूप से सम्बन्धित है।"

मनोविज्ञान के अर्थ में परिवर्तन -

प्रारम्भिक अवस्था में मनोविज्ञान दर्शनशास्त्र की एक शाखा के रूप में था लेकिन दर्शनशास्त्र से अलग होने के बाद इसका एक स्वतंत्र विषय के रूप में उदय हुआ। दर्शनशास्त्र से अलग होने की प्रक्रिया में मनोविज्ञान ने अनेक अर्थ ग्रहण किए जिन्हें हम निम्न प्रकार से समझ सकते है :-

1. आत्मा का विज्ञान - 16 वीं शताब्दी में मनोविज्ञान को आत्मा का विज्ञान कहा गया। इस अर्थ के प्रबल समर्थक प्लेटो, अरिस्टोटल, अरस्तु, डेकार्ट आदि दार्शनिक मनोवैज्ञानिक थे। लेकिन आत्मा क्या है? इसकी प्रकृति या स्वरुप क्या है? क्या इसे देखा जा सकता है? मनोवैज्ञानिकों द्वारा इन प्रश्नों के उत्तर देने में असमर्थता के कारण 16वीं शताब्दी में मनोविज्ञान का यह अर्थ अस्वीकृत कर दिया गया।

2. मन या मस्तिष्क का विज्ञान - 17 वीं शताब्दी में मनोविज्ञान को मन या मस्तिष्क का विज्ञान कहा गया। इस अर्थ का प्रबल समर्थक इटली के प्रसिद्ध दार्शनिक पॉम्पोनॉजी के अलावा लॉक और बर्कली भी प्रमुख थे। लेकिन मन या मस्तिष्क क्या है? इसका अध्ययन किस प्रकार किया जा सकता है? कोई भी विद्वान मन की प्रकृति तथा स्वरुप का निर्धारण नही कर सका, इन प्रश्नों के अर्थों को स्पष्ट नहीं कर पाने के कारण मनोविज्ञान का यह अर्थ भी अस्वीकार कर दिया गया। अतः यह परिभाषा भी मान्यता नही पा सकी।

3. चेतना का विज्ञान - 19 वीं शताब्दी में मनोविज्ञान को चेतना का विज्ञान कहा गया। इस अर्थ के प्रबल समर्थक विलियम जेम्स, विलियम वुंट, वाईव्स और जेम्स सल्ली आदि मनोवैज्ञानिक प्रमुख थे। इन्होंने केवल चेतन मन की ही बात की , इनका मानना था, कि मनोविज्ञान मनुष्य की चेतन क्रियाओ का अध्ययन करता है। जबकि फ्रायड ने मनोविश्लेषण वाद में चेतन मन के अलावा अचेतन व अर्द्ध चेतन मन के बारे में भी बताया गया है। मनोविज्ञान केवल चेतन मन का ही नही, बल्कि अचेतन और अवचेतन आदि प्रक्रियाओ का अध्ययन भी करता है। जिस पर इन्होंनें कोई चर्चा नहीं की। अतः मनोविज्ञान का यह अर्थ सीमित होने के कारण अस्वीकार कर दिया गया। ।

मैक्डूगल ने अपनी पुस्तक 'आउटलाइन साइकोलॉजी' में चेतना शब्द की कड़ी आलोचना की।

4. व्यवहार का विज्ञान - 20 वीं शताब्दी के प्रारम्भ में मनोविज्ञान के अनेक अर्थ सुझाए गए, इनमे से मनोविज्ञान को व्यवहार के विज्ञान के रुप में स्वीकार किया गया। और वर्तमान में मनोविज्ञान के इसी अर्थ को सर्वमान्य अर्थ के रूप में स्वीकार किया गया है। इस अर्थ के प्रबल समर्थक वाट्सन, वुडवर्थ, स्किनर आदि मनोविज्ञानिकों हैं।

मनोविज्ञान के अर्थ परिवर्तन को वुडवर्थ ने निम्न प्रकार से परिभाषित किया है :-

"सर्वप्रथम मनोविज्ञान ने अपनी आत्मा को छोडा, फिर अपने मन को त्यागा, फिर अपनी चेतना खोई और अब यह व्यवहार के ढंग को अपनाऐ हुए है।"

अथवा

"सबसे पहले मनोविज्ञान ने अपनी आत्मा का त्याग किया। फिर उसने अपने मन या मस्तिष्क का त्याग किया। उसके बाद उसने चेतना का त्याग किया। अब वह व्यवहार की विधि को स्वीकार करता है।"

शिक्षा मनोविज्ञान के उद्देश्य -

स्किनर ने शिक्षा मनोविज्ञान के उद्देश्यों को दो भागो में विभाजित किया है-

1. **सामान्य उद्देश्य -**
   - i. सिद्धांतो की खोज तथा तथ्यों का संग्रह करना।
   - ii. बालक के व्यक्तित्व का विकास करना।
   - iii. शिक्षण कार्य में सहायता देना।
   - iv. शिक्षण विधि में सुधार करना।
   - v. शिक्षा के उद्देश्य व लक्ष्यों की पूर्ति करना।
2. **विशिष्ट उद्देश्य -**
   - I. बालको के प्रति निष्पक्ष व सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण।

II. शिक्षा के स्तरों व उद्देश्यों को निश्चित करना।
III. शिक्षण परिणाम जानने में सहायता करना।
IV. छात्र व्यवहार को समझने में सहायता देना।
V. शिक्षण समस्या के समाधान हेतु सिद्धांतो का ज्ञान।

शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र -

1. बालक की विशेष योग्यताओं का अध्ययन।
2. बालक के वंशानुक्रम और वातावरण का अध्ययन।
3. बालक के विकास की अवस्थाओं का अध्ययन।
4. बालक की रूचि व अरुचि का अध्ययन।
5. बालक की मूल प्रवत्तियों का अध्ययन।
6. बालक के सर्वांगीण विकास का अध्ययन।
7. अपराधी, असामान्य और मंद बुद्धि बालकों का अध्ययन।
8. शिक्षण विधियों के उपयोग सम्बन्धी अध्ययन।
9. शिक्षा के उद्देश्यों व उनको प्राप्त करने के तरीकों का अध्ययन।
10. अनुशासन सम्बन्धी समस्याओं का अध्ययन।
11. पाठ्यक्रम निर्माण से सम्बन्धित अध्ययन।
12. शिक्षा की समस्याओं का अध्ययन।
13. सीखने की क्रियाओं का अध्ययन।

शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र की सीमाएँ अभी निर्धारित नही हो सकी है

शिक्षा के क्षेत्र में मनोविज्ञान का योगदान -

1. मनोविज्ञान ने शिक्षा को बाल-केंद्रित बनाकर बालक को महत्त्व दिया।
2. बालको की विभिन्न अवस्थाओ के अनुरूप शिक्षण विधियों की व्यवस्था की।
3. बालको की रुचियों व मूल प्रवत्तियो को शिक्षा का आधार बनाया।
4. बालको की व्यक्तिगत विभिन्नताओं के अनुसार शिक्षा की व्यवस्था की।
5. पाठ्यक्रम का निर्माण बालको की आयु, रूचि व स्तरानुसार किया जाने लगा।
6. पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओ पर बल दिया गया।
7. दण्ड के स्थान पर प्रेम व सहानुभूति को अनुशासन का आधार बनाया।
8. शिक्षक को शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति हुई या नही, की जानकारी देता है।
9. मूल्यांकन के लिए नवीन विधियों की खोज की।

अधिगम

सीखना या अधिगम एक व्यापक सतत् एवं जीवन पर्यन्त चलनेवाली प्रक्रिया है। मनुष्य जन्म के उपरांत ही सीखना प्रारंभ कर देता है और जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता है। धीरे-धीरे वह अपने को वातावरण से समायोजित करने

का प्रयत्न करता है। इस समायोजन के दौरान वह अपने अनुभवों से अधिक लाभ उठाने का प्रयास करता है। इस प्रक्रिया को मनोविज्ञान में सीखना कहते हैं। जिस व्यक्ति में सीखने की जितनी अधिक शक्ति होती है, उतना ही उसके जीवन का विकास होता है। सीखने की प्रक्रिया में व्यक्ति अनेक क्रियाऐं एवं उपक्रियाऐं करता है। अतः सीखना किसी स्थिति के प्रति सक्रिय प्रतिक्रिया है।

अधिगम की परिभाषायें -

1. स्किनर के अनुसार, "अधिगम व्यवहार में उतरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया है।"
2. वुडवर्थ के अनुसार, "नवीन ज्ञान ओर नवीन प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने की प्रक्रिया ही अधिगम है।"
3. क्रो एवं क्रो के अनुसार, "आदतों, ज्ञान ओर अभिवृतिओं का अर्जन ही अधिगम है।"
4. गिलफोर्ड के अनुसार, "व्यवहार के कारण व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है।"
5. गेट्स व अन्य के अनुसार, "अनुभव और प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है।"
6. मार्गन एवं गिलीलैण्ड के अनुसार,"सीखना, अनुभव के परिणामस्वरूप प्राणी के व्यवहार में परिमार्जन है जो प्राणी द्वारा कुछ समय के लिए धारण किया जाता है।"

अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक -

1. पुर्व अधिगम
2. विषय वस्तु का स्वरूप
3. विषय के प्रति मनोवृति
4. सीखने की इच्छा
5. सीखने की विधि
6. अभिप्रेरणा
7. वातावरण
7. थकान
8. शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य
9. वंशानुक्रम

अधिगम के सिद्धांत -

1. प्रयत्न एवं भूल का सिद्धांत - एडवर्ड एल. थार्नडाइक
2. सूझ तथा अंतर्दृष्टि का सिद्धान्त - जर्मनी के गेस्टाल्टवादी (कोहलर)
3. अनुकूलित अनुक्रिया का सिद्धांत - इवान पेट्रोविच पावलव
4. क्रिया प्रसूत अनुबंधन का सिद्धांत - स्किनर
5. संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत - जीन पियाजे
6. सामाजिक अधिगम सिद्धांत - अल्बर्ट बाण्डूरा
7. संरचनात्मक अधिगम का सिद्धांत - जेरोम ब्रूनर

प्रयत्न एवं भूल का सिद्धांत -

उपनाम -

1. उद्दीपन-अनुक्रिया का सिद्धांत

2. प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धांत
3. संयोजनवाद का सिद्धांत
4. अधिगम का बन्ध सिद्धांत
5. संबंधवाद का सिद्धांत
6. S-R थ्योरी

महत्वपूर्ण तथ्य -

- यह सिद्धांत प्रसिद्ध अमेरिकी मनोवैज्ञानिक 'एडवर्ड एल. थार्नडाइक' द्वारा प्रतिपादित किया गया।
- यह सिद्धांत थार्नडाइक द्वारा सन 1913 ई. में दिया गया।
- थार्नडाइक ने अपनी पुस्तक "शिक्षा मनोविज्ञान" में इस सिद्धांत का वर्णन किया हैं।
- थार्नडाइक ने अपना प्रयोग भूखी बिल्ली पर किया।
- भूखी बिल्ली को जिस बॉक्स में बन्ध किया उस बॉक्स को "पज़ल बॉक्स"(Pazzle Box) कहते हैं।
- भोजन या उद्दीपक के रूप में थार्नडाइक ने "मछली" को रखा।

थार्नडाइक का प्रयोग -

थार्नडाइक ने अपना प्रयोग भूखी बिल्ली पर किया। बिल्ली को कुछ समय तक भूखा रखने के बाद एक पिंजरे(बॉक्स) में बन्ध कर दिया। जिसे "पज़ल बॉक्स"(Pazzle Box) कहते हैं। पिंजरे के बाहर भोजन के रूप में थार्नडाइक ने मछली का टुकड़ा रख दिया। पिंजरे के अन्दर एक लिवर(बटन) लगा हुआ था जिसे दबाने से पिंजरे का दरवाज़ा खुल जाता था। भूखी बिल्ली ने भोजन (मछली का टुकड़ा) को प्राप्त करने व पिंजरे से बाहर निकलने के लिए अनेक त्रुटिपूर्ण प्रयास किए। बिल्ली के लिए भोजन उद्दीपक का काम कर रहा था ओर उद्दीपक के कारण बिल्ली प्रतिक्रिया कर रही थी।उसने अनेक प्रकार से बाहर निकलने का प्रयत्न किया।एक बार संयोग से उसके पंजे से लिवर दब गया। लिवर दबने से पिंजरे का दरवाज़ा खुल गया ओर भूखी बिल्ली ने पिंजरे से बाहर निकलकर भोजन को खाकर अपनी भूख को शान्त किया। थार्नडाइक ने इस प्रयोग को बार- बार दोहराया। तथा देखा कि प्रत्येक बार बिल्ली को बाहर निकलने में पिछली बार से कम समय लगा ओर कुछ समय बाद बिल्ली बिना किसी भी प्रकार की भूल के एक ही प्रयास में पिंजरे का दरवाज़ा खोलना सीख गई। इस प्रकार उद्दीपक ओर अनुक्रिया में सम्बन्ध स्थापित हो गया।

थार्नडाइक के नियम - थार्नडाइक ने इस सिद्धांत के तीन मुख्य नियम दिए-

1. तत्परता का नियम -

यह नियम कार्य करने से पूर्व तत्पर या तैयार किए जाने पर बल देता है। यदि हम किसी कार्य को सीखने के लिए तत्पर या तैयार होता है, तो उसे शीघ्र ही सीख लेता है। तत्परता में कार्य करने की इच्छा निहित होती है। ध्यान केंद्रित करने में भी तत्परता सहायता करती है।

2. अभ्यास का नियम -

यह नियम किसी कार्य या सीखी गई विषय वस्तु के बार-बार अभ्यास करने पर बल देता है। यदि हम किसी कार्य का अभ्यास करते रहते है, तो उसे सरलतापूर्वक करना सीख जाते है। यदि हम सीखे हुए कार्य का अभ्यास नही करते है, तो उसको भूल जाते है।

3. प्रभाव (परिणाम) का नियम -

इस नियम को सन्तोष तथा असन्तोष का नियम भी कहते है। इस नियम के अनुसार जिस कार्य को करने से प्राणी को सुख व सन्तोष मिलता है, उस कार्य को वह बार-बार करना चाहता है और इसके विपरीत जिस कार्य को करने से दुःख या

असन्तोष मिलता है, उस कार्य को वह दोबारा नही करना चाहता है।

गौंण नियम -

1. बहु-प्रतिक्रिया का नियम -

इस नियम के अनुसार जब प्राणी के सामने कोई परिस्थिति या समस्या उत्पन्न हो जाती है तो उसका समाधान करने के लिए वह अनेक प्रकार की प्रतिक्रियाएं करता है,और इन प्रतिक्रियाएं को करने का क्रम तब तक जारी रहता है जब तक कि सही प्रतिक्रिया द्वारा समस्या का समाधान या हल प्राप्त नहीं हो जाता है। प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धांत इसी नियम पर आधारित हैं।

2. मनोवृत्ति का नियम –

इस नियम को मानसिक विन्यास का नियम भी कहते है। इस नियम के अनुसार जिस कार्य के प्रति हमारी जैसी अभिवृति या मनोवृति होती है, उसी अनुपात में हम उसको सीखते हैं। यदि हम मानसिक रूप से किसी कार्य को करने के लिए तैयार नहीं हैं, तो या तो हम उसे करने में असफल होते हैं, या अनेक त्रुटियाँ करते हैं या बहुत विलम्ब से करते हैं।

3. आंशिक क्रिया का नियम -

इस नियम के अनुसार किसी कार्य को छोटे-छोटे भागों में विभाजित करने से कार्य सरल और सुविधानक बन जाता है। इन भागों को शीघ्रता और सुगमता से करके सम्पूर्ण कार्य को पूरा किया जाता है। इस नियम पर 'अंश से पूर्ण की ओर' का शिक्षण का सिद्धांत आधारित किया जाता है।

4. सादृश्यता अनुक्रिया का नियम –

इस नियम को आत्मीकरण का नियम भी कहते है। यह नियम पूर्व अनुभव पर आधारित है। जब प्राणी के सामने कोई नवीन परिस्थिति या समस्या उत्पन्न होती है तो वह उससे मिलती-जुलती परिस्थिति या समस्या का स्मरण करता है, जिसका वह पूर्व में अनुभव कर चुका है। वह नवीन ज्ञान को अपने पर्व ज्ञान का स्थायी अंग बना लेते हैं।

5. साहचर्य परिवर्तन का नियम –

इस नियम के अनुसार एक उद्दीपक के प्रति होने वाली अनुक्रिया बाद में किसी दूसरे उद्दीपक से भी होने लगती है। दूसरे शब्दों में, पहले कभी की गई क्रिया को उसी के समान दूसरी परिस्थिति में उसी प्रकार से करना । इसमें क्रिया का स्वरूप तो वही रहता है, परन्तु परिस्थिति में परिवर्तन हो जाता है।थार्नडाइक ने पावलव के शास्त्रीय अनुबन्धन को ही साहचर्य परिवर्तन के नियम के रूप में व्यक्त किया।

सूझ तथा अंतर्दृष्टि का सिद्धान्त -

सूझ द्वारा सीखने के सिद्धांत के प्रतिपादक जर्मनी के गेस्टाल्टवादी है। इसलिए इस सिद्धांत को गेस्टाल्ट सिद्धांत भी कहते हैं। इनके अनुसार व्यक्ति अपनी सम्पूर्ण परिस्थिति को अपनी मानसिक शक्ति से अच्छी तरह समझ या सीख लेता है। इस प्रकार वह अपनी सूझ के कारण करता है। इस संबंध में अनेक प्रयोग किए जा चुके हैं, जिनमें सबसे प्रसिद्ध प्रयोग कोहलर का है।

कोहलर का प्रयोग –

कोहलर ने एक भूखे चिम्पाजी (सुल्तान) को एक कमरे में बंद किया। कमरे की छत में कुछ केले इस प्रकार टाँग दिए कि वे चिम्पाजी की पहंुच के बाहर थे। कमरे में कुछ दूरी पर तीन-चार खाली बक्से भी रखे गए।

चिम्पांजी ने उछल कर केले लेने का प्रयास किया पर सफल नहीं हुआ। कुछ समय पश्चात फर्ष पर रखे खाली बक्सों को देखकर उनको केले के नीचे खींच कर उस पर चढ़ गया केले प्राप्त कर लिए। यह उसकी सूझ ही है जिसने उसे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता दी। चिम्पान्जी के समान बालक और व्यक्ति भी सूझ द्वारा सीखते हैं।

अनुकूलित अनुक्रिया का सिद्धांत -

इस सिद्धान्त का प्रतिपादन 1904 में में पावलव ने किया था। उसने अनुबंधित क्रिया को समझाने के लिए कुत्ते के ऊपर प्रयोग किया। प्रारम्भ में भूखे कुत्ते के मुह में भोजन देखकर लार आ जाना स्वाभाविक क्रिया है।

1. पावलव में प्रयोग के प्रारम्भ में कई दिनो तक खाने के साथ घण्टी बजा कर खाना दिया। (खाना + घण्टी) यह प्रयोग कई दिनांे तक दोहराने पर पाया गया कि खाना एवं घण्टी में सम्बन्ध उत्पन्न हो जाता है। एवं स्वाभाविक क्रिया-लार टपकना होती है।
2. इसके बाद केवल घण्टी बजाई परन्तु खाना साथ में नहीं दिया गया। इससे यह पाया गया कि कुत्ता स्वाभाविक क्रिया (लार टपकती है) करता है।

इस सिद्धांत का प्रयोग पशुआंे एवं मनुष्यों के व्यवहार को सुधारने व परिमार्जन में महत्वपूर्ण सिद्ध होता है। इस प्रकार अस्वाभाविक (कृत्रिम) उत्तेजना के प्रति स्वाभाविक क्रिया का उत्पन्न होना अनुकूलित अनुक्रिया कहलाती है। उदाहरण - मिठाई की दुकान को देखकर बच्चों के मुंह से लार टपकने लगता है।

बुद्धि

बुद्धि वह मानसिक शक्ति है जो वस्तुओं एवं तथ्यों को समझने, उनमें आपसी सम्बन्ध खोजने तथा तर्कपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने में सहायक होती है। यह 'भावना' और अन्तःप्रज्ञा से अलग है। बुद्धि ही मनुष्य को नवीन परिस्थितियों को ठीक से समझने और उसके साथ अनुकूलित होने में सहायता करती है। बुद्धि को 'सूचना के प्रसंस्करण की योग्यता' की तरह भी समझा जा सकता है।

बुद्धि शब्द का प्रयोग प्राचीन काल से व्यक्ति की तत्परता, तात्कालिकता, समायोजन तथा समस्या समाधान की क्षमताओं के रूप में किया जाता रहा है। बुद्धि क्या है ? इस सम्बंध में मनोवैज्ञानिकों में हमेशा मतभेद रहा है। इसीलिए अभी तक बुद्धि का कोई सर्वमान्य अर्थ प्रचलित नही हो पाया है।

बुद्धि की परिभाषायें -

1. वुडवर्थ के अनुसार, " बुद्धि, कार्य करने की एक विधि है।"
2. बकिंघम के अनुसार, " सीखने की शक्ति ही बुद्धि है।"
3. टरमन के अनुसार, " बुद्धि, अमूर्त विचारों के बारे में सोचने की योग्यता है।"
4. वुडरो के अनुसार, " बुद्धि ज्ञान का अर्जन करने की क्षमता है।"
5. बिने के अनुसार, " बुद्धि इन चार शब्दों में निहित है - ज्ञान, आविष्कार, निर्देश और आलोचना।"
6. स्टर्न के अनुसार, " बुद्धि जीवन की नवीन समस्याओं के समायोजन की सामान्य योग्यता है।"
7. बर्ट के अनुसार, " बुद्धि अच्छी तरह निर्णय करने, समझने तथा तर्क करने की योग्यता है।"
8. गाल्टन के अनुसार, " बुद्धि पहचानने तथा सीखने की शक्ति है।"
9. थार्नडाइक के अनुसार, "सत्य या तथ्य के दृष्टिकोण से उत्तम प्रतिक्रियाओं की शक्ति ही बुद्धि है।"

बुद्धि के सिद्धांत -

1. एक खण्ड बुद्धि का सिद्धांत - बिने
2. दो खण्ड बुद्धि का सिद्धांत - स्पीयरमैन
3. तीन खण्ड बुद्धि का सिद्धांत - स्पीयरमैन
4. बहु खण्ड बुद्धि का सिद्धांत - थार्नडाइक
5. समूह खण्ड बुद्धि का सिद्धांत - थर्स्टन
6. न्यादर्श या प्रतिदर्श बुद्धि का सिद्धांत - थॉमसन
7. पदानुक्रमिक(क्रमिक महत्व) बुद्धि का सिद्धांत - बर्ट एवं वर्नन
8. त्रि-आयामी बुद्धि का सिद्धांत - गिलफोर्ड
9. बुद्धि 'क' और बुद्धि 'ख' का सिद्धांत - हैब
10. तरल-ठोस बुद्धि का सिद्धांत - आर. बी. केटल

व्यक्तित्व

'व्यक्तित्व' अंग्रेजी के **पर्सनेल्टी (Personality)** का पर्याय है। पर्सनेल्टी शब्द की उत्पत्ति **यूनानी** भाषा के **'पर्सोना'**शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है **'मुखोटा (Mask)'**। उस समय व्यक्तित्व का तात्पर्य बाह्य गुणों से लगाया जाता था। यह धारणा व्यक्तित्व के पूर्ण अर्थ की व्याख्या नही करती।

"व्यक्तित्व एक व्यक्ति के समस्त मानसिक एवं शारीरिक गुणों का ऐसा गतिशील संगठन है, जो वातावरण के साथ उस व्यक्ति का समायोजन निर्धारित करता है."

व्यक्तित्व की परिभाषाएँ -

1. गिलफोर्ड - व्यक्तित्व गुणों का समन्वित रूप है।
2. वुडवर्थ - व्यक्तित्व के व्यवहार की एक समग्र विशेषता ही व्यक्तित्व है।
3. मार्टन - व्यक्तित्व व्यक्ति के जन्मजात तथा अर्जित स्वभाव, मूल प्रवृत्तियों, भावनाओं तथा इच्छाओं आदि का समुदाय है।
4. बिग एवं हंट - व्यक्तित्व व्यवहार प्रवृत्तियों का एक समग्र रूप है, जो व्यक्तित के सामाजिक समायोजन में अभिव्यक्त होता है।
5. ऑलपोर्ट - व्यक्तित्व का सम्बन्ध मनुष्य की उन शारीरिक तथा आन्तरिक वृत्तियों से है, जिनके आधार पर व्यक्ति अपने वातावरण के साथ समायोजन स्थापित करता है।

व्यक्तित्व मापन के सिद्धांत

1. मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त - सिंगमंड फ्रायड
2. शरीर रचना सिद्धान्त - शैल्डन
3. विशेषक सिद्धान्त - कैटल
4. जिव सिद्धांत - गोल्डस्टीन

5. आत्मज्ञान का सिद्धान्त - मास्लो
6. हार्मिक सिद्धान्त - मैक्डूगल
7. माँग सिद्धान्त - हेनरी मुरे

व्यक्तित्व के प्रकार -

1. कैचमर का शरीर रचना पर आधारित वर्गीकरण -

I. शक्तिहीन (एस्थेनिक)
II. खिलाड़ी (एथलेटिक)
III. नाटा (पिकनिक)

2. कपिल मुनि का स्वभाव पर आधारित वर्गीकरण -

I. सत्व प्रधान व्यक्ति
II. राजस प्रधान व्यक्ति
III. तमस प्रधान व्यक्ति।

3. थार्नडाइक का चिंतन पर आधारित वर्गीकरण -

I. सूक्ष्म विचारक
II. प्रत्यक्ष विचारक
III. स्थूल विचारक।

4. स्प्रेंगर का समाज सम्बंधित वर्गीकरण -

I. वैचारिक
II. आर्थिक
III. सौंदर्यात्मक
IV. राजनैतिक
V. धार्मिक
VI. सामाजिक।

5. जुंग द्वारा किया गया मनोवैज्ञानिक वर्गीकरण -

वर्तमान में जुंग का वर्गीकरण सर्वोत्तम माना जाता है। इन्होंने मनोवैज्ञानिक लक्षणों के आधार पर व्यक्तित्व के तीन भेद माने जाते है-

1) **अन्तर्मुखी** - अंतर्मुखी झेंपने वाले, आदर्शवादी और संकोची स्वभाव वाले होते है। इसी स्वभाव के कारण वे अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में असफल रहते है। ये बोलना और मिलना कम पसंद करते है। पढ़ने में अधिक रूचि लेते है। इनकी कार्य क्षमता भी अधिक होती है।

2) **बहिर्मुखी** - बहिर्मुखी व्यक्ति भौतिक और सामाजिक कार्यो में विशेष रूचि लेते है। ये मेलजोल बढ़ाने वाले और वाचाल होते हैं। ये अपने विचारों और भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। इनमे आत्मविश्वास चरम सीमा पर होता है और बाह्य सामंजस्य के प्रति सचेत रहते है।

3) **उभयमुखी** - इस प्रकार के व्यक्ति कुछ परिस्थितियों में बहिर्मुखी तथा कुछ में अंतर्मुखी होते है। जैसे एक व्यक्ति अच्छा बोलने वाला और लिखने वाला है, किन्तु एकांत में कार्य करना चाहता है।

व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक -

1. वंशानुक्रम का प्रभाव - व्यक्तित्व के विकास पर वंशानुक्रम का प्रभाव सर्वाधिक और अनिवार्यतः पड़ता है। स्किनर व हैरिमैन का मत है कि- "मनुष्य का व्यक्तित्व स्वाभाविक विकास का परिणाम नहीं है। उसे अपने माता-पिता से कुछ निश्चित शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक और व्यावसायिक शक्तियाँ प्राप्त होती हैं।"
2. सामाजिक वातावरण का प्रभाव - बालक जन्म के समय मानव-पशु होता है। उसमें सामाजिक वातावरण के सम्पर्क से परिवर्तन होता है। वह भाष, रहन-सहन का ढंग, खान-पान का तरीका, व्यवहार, धार्मिक व नैतिक विचार आदि समाज से प्राप्त करता है। समाज उसके व्यक्तित्व का निर्माण करता है। अतः बालकों को आदर्श नागरिक बनाने का उत्तरदायित्व समाज का होता है।
3. परिवार का प्रभाव - व्यक्तित्व के निर्माण का कार्य परिवार में आरम्भ होता है, जो समाज द्वारा पूरा किया जाता है। परिवार में प्रेम, सुरक्षा और स्वतंत्रता के वातावरण से बालक में साहस, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता आदि गुणों का विकास होता है। कठोर व्यवहार से वह कायर और असत्यभाषी बन जाता है।
4. सांस्कृतिक वातावरण का प्रभाव - समाज व्यक्ति का निर्माण करता है, तो संस्कृति उसके स्वरुप को निश्चित करती है। मनुष्य जिस संस्कृति में जन्म लेता है, उसी के अनुरूप उसका व्यक्तित्व होता है।
5. विद्यालय का प्रभाव - पाठ्यक्रम, अनुशासन , खेलकूद, शिक्षक का व्यवहार, सहपाठी आदि का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव व्यक्तित्व के विकास पर पडता है। विद्यालय में प्रतिकूल वातावरण मिलने पर बालक कुंठित और विकृत हो जाता है।
6. संवेगात्मक विकास - अनुकूल वातावरण में रहकर बालक संवेगों पर नियंत्रण रखना सीखता है। संवेगात्मक असंतुलन की स्थिति में बालक का व्यक्तित्व कुंठित हो जाता है। इसलिए वांछित व्यक्तित्व के लिए संवेगात्मक स्थिरता को पहली प्राथमिकता दी जाती है।
7. मानसिक योग्यता व रूचि का प्रभाव - व्यक्ति की जिस क्षेत्र में रूचि होती है, वह उसी में सफलता पा सकता है और सफलता के अनुपात में ही व्यक्तित्व का विकास होता है। अधिक मानसिक योग्यता वाला बालक सहज ही अपने व्यवहारों को समाज के आदर्शों के अनुकूल बना देता है।
8. शारीरिक प्रभाव - अन्तः स्त्रावी ग्रंथियाँ, नलिका विहीन ग्रंथियाँ, शारीरिक रसायन, शारीरिक रचना आदि व्यक्तित्व को प्रभावित करते है। शारीर की दैहिक दशा, मस्तिष्क के कार्य पर प्रभाव डालने के कारण व्यक्ति के व्यवहार और व्यक्तित्व को प्रभावित करती है। इनके अलावा बालक की मित्र-मण्डली और पड़ोस भी उसके व्यक्तित्व को प्रभावित करते है।

अभिप्रेरणा

अभिप्रेरणा शब्द का अंग्रेजी समानार्थक शब्द 'Motivation'(मोटिवेशन) जो की लेटिन भाषा के 'Motum'(मोटम) या 'Moveers'(मोवेयर) शब्द से बना है, जिसका अर्थ है 'To Move'अर्थात गति प्रदान करना। इस प्रकार अभिप्रेरणा वह कारक है, जो कार्य को गति प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में अभिप्रेरणा एक आंतरिक शक्ति है, जो व्यक्ति को कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। इसी लिए अभिप्रेरणा ध्यानाकर्षण या लालच की कला है, जो व्यक्ति में किसी कार्य को करने की ईच्छा एवं जिज्ञासा उत्पन्न करती है।
शिक्षा एक जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है तथा प्रत्येक क्रिया के पीछे एक बल कार्य करता है जिसे हम प्रेरक बल कहते है। इस संदर्भ में प्रेरणा एक बल है जो प्राणी को कोई निश्चित व्यवहार या निश्चित दिशा में चलने के लिये बाध्य करती है।

अभिप्रेरणा की परिभाषायें -

1. स्किनर के अनुसार, "अभिप्रेरणा सिखने का सर्वोत्तम राजमार्ग है।"

2. गुड के अनुसार, “अभिप्रेरणा कार्य को आरम्भ करने , जारी रखने की प्रक्रिया है।”
3. मैक्डूगल के अनुसार, “अभिप्रेरणा वे शारीरिक ओर मनोवैज्ञानिक दशाएं है, जो किसी कार्य को करने के लिए प्रेरित करती है।”
4. वुडवर्थ के अनुसार, “अभिप्रेरणा व्यक्तियों की दशा का वह समूह है, जो किसी निश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए निश्चित व्यवहार को स्पष्ट करती है।”
5. गेट्स व अन्य के अनुसार, “अभिप्रेरणा प्राणी के भीतर शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक दशा है, जो उसे विशेष प्रकार की क्रिया करने के लिए प्रेरित करती है।”

अभिप्रेरणा विकसित करने की विधियां -

फ्रेन्डसन के अनुसार ''प्रभावी अधिगम प्रभावशाली प्रेरणा पर निर्भर करता है।'' जितनी अच्छी प्रेरणा होगी उतना ही बेहतर सीखना। अतः शिक्षक को कक्षा में छात्रों को प्रेरित करने में निम्नलिखित विधियां अपनानी चाहिए -

1. पुरस्कार एवं दण्ड।
2. प्रशंसा एवं निन्दा।
3. सफलता व असफलता।
4. प्रतियोगिता एवं सहयोग।
5. प्रगति का ज्ञान।
6. आकांक्षा का स्तर।
7. नवीनता।
8. रूचि।
9. आवश्यकताओं का ज्ञान।
10. कक्षा का वातावरण।

शिक्षा मनोविज्ञान प्रतिपादक

1. मनोविज्ञान के जनक = विलियम जेम्स
2. आधुनिक मनोविज्ञान के जनक = विलियम जेम्स
3. प्रकार्यवाद साम्प्रदाय के जनक = विलियम जेम्स
4. आत्म सम्प्रत्यय की अवधारणा = विलियम जेम्स
5. शिक्षा मनोविज्ञान के जनक = थार्नडाइक
6. प्रयास एवं त्रुटि सिद्धांत = थार्नडाइक
7. प्रयत्न एवं भूल का सिद्धांत = थार्नडाइक
8. संयोजनवाद का सिद्धांत = थार्नडाइक
9. उद्दीपन-अनुक्रिया का सिद्धांत = थार्नडाइक
10. S-R थ्योरी के जन्मदाता = थार्नडाइक

11. अधिगम का बन्ध सिद्धांत	=	थार्नडाइक
12. संबंधवाद का सिद्धांत	=	थार्नडाइक
13. प्रशिक्षण अंतरण का सर्वसम अवयव का सिद्धांत	=	थार्नडाइक
14. बहु खंड बुद्धि का सिद्धांत	=	थार्नडाइक
15. बिने-साइमन बुद्धि परीक्षण के प्रतिपादक	=	बिने एवं साइमन
16. बुद्धि परीक्षणों के जन्मदाता	=	बिने
17. एक खंड बुद्धि का सिद्धांत	=	बिने
18. दो खंड बुद्धि का सिद्धांत	=	स्पीयरमैन
19. तीन खंड बुद्धि का सिद्धांत	=	स्पीयरमैन
20. सामान्य व विशिष्ट तत्वों के सिद्धांत के प्रतिपादक	=	स्पीयरमैन
21. बुद्धि का द्वय शक्ति का सिद्धांत	=	स्पीयरमैन
22. त्रि-आयाम बुद्धि का सिद्धांत	=	गिलफोर्ड
23. बुद्धि संरचना का सिद्धांत	=	गिलफोर्ड
24. समूह खंड बुद्धि का सिद्धांत	=	थर्स्टन
25. युग्म तुलनात्मक निर्णय विधि के प्रतिपादक	=	थर्स्टन
26. क्रमबद्ध अंतराल विधि के प्रतिपादक	=	थर्स्टन
27. समदृष्टि अन्तर विधि के प्रतिपादक	=	थर्स्टन व चेव
28. न्यादर्श या प्रतिदर्श(वर्ग घटक) बुद्धि का सिद्धांत	=	थॉमसन
29. पदानुक्रमिक(क्रमिक महत्व) बुद्धि का सिद्धांत	=	बर्ट एवं वर्नन
30. तरल-ठोस बुद्धि का सिद्धांत	=	आर. बी. केटल
31. प्रतिकारक (विशेषक) सिद्धांत के प्रतिपादक	=	आर. बी. केटल
32. बुद्धि 'क' और बुद्धि 'ख' का सिद्धांत	=	हैब
33. बुद्धि इकाई का सिद्धांत	=	स्टर्न एवं जॉनसन
34. बुद्धि लब्धि ज्ञात करने के सुत्र के प्रतिपादक	=	विलियम स्टर्न
35. संरचनावाद साम्प्रदाय के जनक	=	विलियम वुण्ट
36. प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के जनक	=	विलियम वुण्ट
37. विकासात्मक मनोविज्ञान के प्रतिपादक	=	जीन पियाजे
38. संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत	=	जीन पियाजे
39. मूलप्रवृत्तियों के सिद्धांत के जन्मदाता	=	विलियम मैक्डूगल
40. हार्मिक का सिध्दान्त	=	विलियम मैक्डूगल
41. मनोविज्ञान को मन मस्तिष्क का विज्ञान	=	पोंपोलॉजी
42. क्रिया प्रसूत अनुबंधन का सिध्दान्त	=	स्किनर

43. सक्रिय अनुबंधन का सिध्दान्त	=	स्किनर
44. अनुकूलित अनुक्रिया का सिद्धांत	=	इवान पेट्रोविच पावलव
45. संबंध प्रत्यावर्तन का सिद्धांत	=	इवान पेट्रोविच पावलव
46. शास्त्रीय अनुबंधन का सिद्धांत	=	इवान पेट्रोविच पावलव
47. प्रतिस्थापक का सिद्धांत	=	इवान पेट्रोविच पावलव
48. प्रबलन(पुनर्बलन) का सिद्धांत	=	सी. एल. हल
49. व्यवस्थित व्यवहार का सिद्धांत	=	सी. एल. हल
50. सबलीकरण का सिद्धांत	=	सी. एल. हल
51. संपोषक का सिद्धांत	=	सी. एल. हल
52. चालक / अंतर्नोद(प्रणोद) का सिद्धांत	=	सी. एल. हल
53. अधिगम का सूक्ष्म सिद्धान्त	=	कोहलर
54. सूझ या अन्तर्दृष्टि का सिद्धांत	=	कोहलर, वर्दीमर, कोफ्का
55. गेस्टाल्टवाद सम्प्रदाय के जनक	=	कोहलर, वर्दीमर, कोफ्का
56. क्षेत्रीय सिद्धांत	=	लेविन
57. तलरूप का सिद्धांत	=	लेविन
58. समूह गतिशीलता सम्प्रत्यय के प्रतिपादक	=	लेविन
59. सामीप्य संबंधवाद का सिद्धांत	=	गुथरी
60. साईन(चिह्न) का सिद्धांत	=	टॉलमैन
61. सम्भावना सिद्धांत के प्रतिपादक	=	टॉलमैन
62. अग्रिम संगठक प्रतिमान के प्रतिपादक	=	डेविड आसुबेल
63. भाषायी सापेक्षता प्राक्कल्पना के प्रतिपादक	=	व्हार्फ
64. मनोविज्ञान के व्यवहारवादी सम्प्रदाय के जनक	=	जोह्न बी. वाटसन
65. अधिगम या व्यव्हार सिद्धांत के प्रतिपादक	=	क्लार्क
66. सामाजिक अधिगम सिद्धांत के प्रतिपादक	=	अल्बर्ट बाण्डूरा
67. पुनरावृत्ति का सिद्धांत	=	स्टेनले हॉल
68. अधिगम सोपानकी के प्रतिपादक	=	गेने
69. विकास के सामाजिक प्रवर्तक	=	एरिक्सन
70. प्रोजेक्ट प्रणाली से करके सीखना का सिद्धांत	=	जान ड्यूवी
71. अधिगम मनोविज्ञान का जनक	=	एविंग हास
72. अधिगम अवस्थाओं के प्रतिपादक	=	जेरोम ब्रूनर
73. संरचनात्मक अधिगम का सिद्धांत	=	जेरोम ब्रूनर

74. सामान्यीकरण का सिद्धांत = सी. एच. जड
75. शक्ति मनोविज्ञान का जनक = वॉल्फ
76. अधिगम अंतरण का मूल्यों के अभिज्ञान का सिद्धांत = बगले
77. भाषा विकास का सिद्धांत = चोमस्की
78. माँग-पूर्ति(आवश्यकता पदानुक्रम) का सिद्धांत = मैस्लो (मास्लो)
79. स्व-यथार्थीकरण अभिप्रेरणा का सिद्धांत = मैस्लो (मास्लो)
80. आत्मज्ञान का सिद्धांत = मैस्लो (मास्लो)
81. उपलब्धि अभिप्रेरणा का सिद्धांत = डेविड सी.मेक्लिएंड
82. प्रोत्साहन का सिद्धांत = बोल्स व काफमैन
83. शील गुण(विशेषक) सिद्धांत के प्रतिपादक = आलपोर्ट
84. व्यक्तित्व मापन का माँग का सिद्धांत = हेनरी मुरे
85. कथानक बोध परीक्षण विधि के प्रतिपादक = मोर्गन व मुरे
86. प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण (T.A.T.) विधि के प्रतिपादक = मोर्गन व मुरे
87. बाल -अन्तर्बोध परीक्षण (C.A.T.) विधि के प्रतिपादक = लियोपोल्ड बैलक
88. रोर्शा स्याही ध्ब्बा परीक्षण (I.B.T.) विधि के प्रतिपादक = हरमन रोर्शा
89. वाक्य पूर्ति परीक्षण (S.C.T.) विधि के प्रतिपादक = पाईन व टेंडलर
90. व्यवहार परीक्षण विधि के प्रतिपादक = मे एवं हार्टशार्न
91. किंडरगार्टन(बालोद्यान) विधि के प्रतिपादक = फ्रोबेल
92. खेल प्रणाली के जन्मदाता = फ्रोबेल
93. मनोविश्लेषण विधि के जन्मदाता = सिगमंड फ्रायड
94. स्वप्न विश्लेषण विधि के प्रतिपादक = सिगमंड फ्रायड
95. प्रोजेक्ट विधि के प्रतिपादक = विलियम हेनरी क्लिपेट्रिक
96. मापनी भेदक विधि के प्रतिपादक = एडवर्ड्स व क्लिपेट्रिक
97. डाल्टन विधि की प्रतिपादक = मिस हेलेन पार्कहर्स्ट
98. मांटेसरी विधि की प्रतिपादक = मेडम मारिया मांटेसरी
99. डेक्रोली विधि के प्रतिपादक = ओविड डेक्रोली
100. विनेटिका(इकाई) विधि के प्रतिपादक = कार्लटन वाशबर्न
101. ह्यूरिस्टिक विधि के प्रतिपादक = एच. ई. आर्मस्ट्रांग
102. समाजमिति विधि के प्रतिपादक = जे. एल. मोरेनो
103. योग निर्धारण विधि के प्रतिपादक = लिकर्ट
104. स्केलोग्राम विधि के प्रतिपादक = गटमैन
105. विभेद शाब्दिक विधि के प्रतिपादक = आसगुड

106. स्वतंत्र शब्द साहचर्य परीक्षण विधि के प्रतिपादक = फ्रांसिस गाल्टन
107. स्टेनफोर्ड- बिने स्केल परीक्षण के प्रतिपादक = टरमन
108. पोरटियस भूल-भुलैया परीक्षण के प्रतिपादक = एस.डी. पोरटियस
109. वेश्लर-वेल्यूब बुद्धि परीक्षण के प्रतिपादक = डी.वेश्लवर
110. आर्मी अल्फा परीक्षण के प्रतिपादक = आर्थर एस. ओटिस
111. आर्मी बिटा परीक्षण के प्रतिपादक = आर्थर एस. ओटिस
112. हिन्दुस्तानी बिने क्रिया परीक्षण के प्रतिपादक = सी.एच.राइस
113. प्राथमिक वर्गीकरण परीक्षण के प्रतिपादक = जे. मनरो
114. बाल अपराध विज्ञान का जनक = सीजर लोम्ब्रसो
115. वंश सुत्र के नियम के प्रतिपादक = मैंडल
116. ब्रेल लिपि के प्रतिपादक = लुई ब्रेल
117. साहचर्य सिद्धांत के प्रतिपादक = एलेक्जेंडर बैन
118. "सीखने के लिए सीखना" सिद्धांत के प्रतिपादक = हर्लो
119. शरीर रचना का सिद्धांत = शैल्डन
120. व्यक्तित्व मापन के जीव सिद्धांत के प्रतिपादक = गोल्डस्टीन

शिक्षा मनोविज्ञान प्रश्नोत्तरी

1:मनोविज्ञान के सम्बन्ध में मैक्डूगल की परिभाषा है ?

A “मनोविज्ञान आचरण तथा व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है ।”

B “किसी व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक के अधिगम अनुभवों का वर्णन तथा धारणा ही मनोविज्ञान है ।”

C “मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है ?

D “मुझे बच्चा दो और बताओ कि उसे क्या बनाऊं इंजीनियर , डॉक्टर या अन्य।”

2:निम्नलिखित में से गेस्टाल्टवाद का जन्मदाता किसे कहा जाता है ?

A मैक्स वर्दाईमर को ।

B कोहलर को ।

C कोफ्फा को ।

D ब्राउन को ।

3:पावलाव के सिद्धांत को कंप्यूटर स्टीमुलेशन द्वारा कौनसी मशीन बताती है ?

A होफमेन मशीन ।

B कोफ्फा मशीन ।

C स्टीमुलेशन मशीन ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

4:“शिक्षा मनोविज्ञान व्यक्ति के जन्म से लेकर वृदावस्था तक सिखने के अनुभवों का वर्णन तथा व्याख्या है” ? यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है ?

A किल्फोर्ड का ।

B स्किनर का ।

C ब्राउन का ।

D क्रो एंड क्रो का ।

5:“शिक्षा के द्वारा मानव व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है तथा मानव व्यवहार का अध्ययन ही मनोविज्ञान कहलाता है ।"यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है?

A क्रो एंड क्रो का ।

B ब्राउन का ।

C किल्फोर्ड का ।

D स्किनर का ।

6:“मानव व्यवहार एवं अनुभव से सम्बंधित निष्कर्षो का शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग शिक्षा मनोविज्ञान कहलाता है ।“ यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है ?

A ब्राउन का ।

B क्रो एंड क्रो का ।

C स्किनर का ।

D किल्फोर्ड का ।

7:“शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक विकास का क्रमिक अध्ययन है ।” यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है ?

A जे.एम. स्टीफन ।

B ट्रो ।

C जेम्स ड्रेवर ।

D लिंग्रेन ।

8:“शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक परिस्थितियों के मनोविज्ञान पक्षों का अध्ययन है ।“ यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है ?

A जेम्स ड्रेवर ।

B ट्रो ।

C लिंग्रेन ।

D जे.एम. स्टीफन ।

9:"शिक्षा की प्रकियापूर्णतया मनोविज्ञान की कृपा पर निर्भर है ।" यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है ?

A एस.एस. चौहान ।

B जे.एम. स्टीफन ।

C लिंग्रेन ।

D बी. एन. झा ।

10:"शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक परिवेश में व्यक्ति के विकास का व्यवस्थित अध्ययन है ।" यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है ?

A बी. एन. झा ।

B लिंग्रेन ।

C जे.एम. स्टीफन ।

D एस.एस. चौहान ।

11:शिक्षा मनोविज्ञान की औपचारिक आधारशिला कब रखी गयी ?

A 1890 में ।

B 1892 में ।

C 1889 में ।

D 1879 में ।

12:निम्नलिखित में से किसके प्रयासों से शिक्षा मनोविज्ञान की औपचारिक आधारशिला सन् 1889 में रखी गयी ?

A स्टेनले हॉल के प्रयासों से ।

B जॉन डीवी के प्रयासों से ।

C क्रो एंड क्रो के प्रयासों से ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

13:“शिक्षा मनुष्य की क्षमताओं का स्वाभाविक ,प्रगतिशील तथा विरोधहीन विकास है ? यह परिभाषा किस मनोवैज्ञानिक की है ?

A जॉन डीवी की ।

B पेस्टॉलोजी की ।

C क्रो एंड क्रो की ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

14:“शिक्षा मनुष्य की क्षमताओं का विकास है , जिनकी सहायता से वह अपने वातावरण पर नियंत्रण करता हुआ अपनी संभावित उन्नति को प्राप्त करता है ।” यह परिभाषा किस शिक्षा शास्त्री की है ?

A पेस्टॉलोजी की ।

B जॉन डीवी की ।

C जॉन डीवी की ।

D क्रो एंड क्रो की ।

15:“शिक्षा मनोविज्ञान का उद्देश्य शैक्षिक परिस्थिति के मूल्य एवं कुशलता में योगदान देना है ।” यह परिभाषा किस शिक्षा शास्त्री की है ?

A पेस्टॉलोजी की ।

B जॉन डीवी की ।

C क्रो एंड क्रो की ।

D स्किनर की ।

16:“शिक्षा मनोविज्ञान वह विज्ञान है ,जिसमे छात्र , शिक्षण तथा अध्यापन का क्रमबद्ध अध्ययन किया जाता है ।” यह परिभाषा किस शिक्षा शास्त्री की है ?

A जॉन एफ.ट्रेवर्स ।

B जॉन डीवी की ।

C क्रो एंड क्रो की ।

D पेस्टॉलोजी की ।

17:निम्नलिखित में से व्यवहारवाद के प्रतिपादक है ?

A जॉन लोक ।

B वाटसन ।

C कोहलर ।

D कोफ्फा ।

18:निम्नलिखित में से साहचर्यवाद के प्रतिपादक है ?

A कोहलर ।

B कोफ्फा ।

C जॉन लोक ।

D वाटसन ।

19:निम्नलिखित में से प्रेरक सम्प्रदाय के प्रतिपादक है ?

A सिगमंड फ्रायड ।

B वर्दाईमर ।

C कुर्ट लेविन ।

D मेक्डूगल ।

20:निम्नलिखित में से मनोविश्लेषणात्मक सम्प्रदाय के प्रतिपादक है ?

A सिगमंड फ्रायड ।

B मेक्डूगल ।

C वर्दाईमर ।

D कुर्ट लेविन ।

21:निम्नलिखित में से शिक्षा मनोविज्ञान के अध्ययन क्षेत्र है ?

A बालक के वंशानुक्रम एवं वातावरण का अध्ययन ।

B बालक की विकास अवस्थाओं का अध्ययन ।

C अधिगम क्रियांओं का अध्ययन ।

D उपरोक्त सभी ।

22:निम्नलिखित में से कौनसी शिक्षा मनोविज्ञान की उपयोगिता नहीं है ?

A शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को विद्यार्थियों की विशेषताओं एवं उनके विकास का ज्ञान प्रदान करता है ।

B शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को विद्यार्थियों की वैयक्तिक विभिन्नताओं को समझाने में सहायता प्रदान करता है ।

C शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को उचित अध्यापन-विधि के चयन में सहायता नहीं करता है ।

D शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को विद्यार्थियों के मूल्याङ्कन करने में सहायता प्रदान करता है ।

23:निम्नलिखित में से अधिगम को अप्रभावित करने वाले कारक है ?

A बुद्धि ।

B परिपक्वता ।

C भूख ।

D उत्सुकता ।

24:21वीं शताब्दी में मनोविज्ञान का मुख्य आधार तय हुआ ?

A व्यवहार ।

B आत्मा ।

C मन ।

D कोई नहीं ।

25:निम्नलिखित में से वाटसन मनोविज्ञान की किस अवधारणा को मानने वाले थे ?

A चेतनावाद को ।

B गेस्टाल्टवाद को ।

C व्यवहारवाद को ।

D उपरोक्त सभी को ।

26:"किसी भी बच्चे को उचित वातावरण एवं व्यवहार देकर उसे इच्छित दिशा में मोड़ा जा सकता है ।" यह परिभाषा किस मनोवैज्ञानिक की परिभाषा से मिलती जुलती है ?

A वुडवर्थ की ।

B कोहलर की ।

C स्किनर की ।

D वाटसन की ।

27:निम्नलिखित में से 1912 में किस सम्प्रदाय का प्रतिपादन हुआ ?

A गेस्टाल्ट सम्प्रदाय का ।

B प्रेरक सम्प्रदाय का ।

C मनो-विशलेषणात्मक सम्प्रदाय का ।

D सह्चार्यवाद सम्प्रदाय का ।

28:वुडवर्थ के अनुसार अन्तःदृष्टि किस प्रकार की दृष्टि होती है ?

Aपश्चात् दृष्टी ।

B पूर्व दृष्टि ।

C पूर्व दृष्टि एवं पश्चात् दृष्टी दोनों ।

D उपरोक्त सभी ।

29:निम्नलिखित में से चिम्पेजियों पर प्रयोग किसके द्वारा किया गया ?

A कोफ्फा के द्वारा ।

B वर्दाइमर के द्वारा ।

C कोहलर के द्वारा ।

D उपरोक्त सभी के द्वारा ।

30:कोहलर द्वारा चिम्पेजियों पर किया गया प्रयोग किससे सम्बंधित था ?

A सूझ से ।

B अन्तःदृष्टी से ।

C अन्तःदृष्टी तथा सूझ दोनों से ।

D उपरोक्त सभी ।

31:निम्नलिखित में से कार्ल रोजर्स द्वारा सिद्धांत प्रतिपादित किया गया ?

A पर्यावरणीय सिद्धांत ।

B अन्तःदृष्टी का सिद्धांत ।

C सूझ का सिद्धांत ।

D उपरोक्त सभी ।

32:निम्नलिखित में से आलपोर्ट किस व्यवस्था के प्रबल समर्थक थे ?

A पर्यावरणीय व्यवस्था ।

B सह्चार्यवाद व्यवस्था ।

C उपरोक्त में से कोई नहीं ।

D आत्म बिन्दुरेखीय व्यवस्था ।

33:आलपोर्ट ने सर्वप्रथम किन गुणों से सम्बंधित विशलेषण किया ?

A अन्तःदृष्टि से सम्बंधित गुणों का ।

B व्यावहारिक गुणों का ।

C व्यक्तित्व सम्बन्धी गुणों का ।

D उपरोक्त सभी का ।

34:जेम्स ड्रेवर ने मनोविज्ञान को किस प्रकार का विज्ञान माना है ?

A अशुद्ध विज्ञान ।

B आंशिक विज्ञान ।

C शुद्ध विज्ञान ।

D उपरोक्त सभी ।

35:“बालक के विकास का अध्ययन हमें यह जानने योग्य बनाता है कि क्या पढ़ायें और कैसे पढाये ।” यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है ?

A क्रो एंड क्रो का ।

B ब्राउन का ।

C किल्फोर्ड का ।

D स्किनर का ।

36:मनोविज्ञान के सम्बन्ध में क्रो एंड क्रो की परिभाषा है ?

A “मुझे बच्चा दो और बताओ कि उसे क्या बनाऊं इंजीनियर , डॉक्टर या अन्य ।“

B “किसी व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक के अधिगम अनुभवों का वर्णन तथा धारणा ही मनोविज्ञान है ।”

C “मनोविज्ञान आचरण तथा व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है ।”

D “मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है ?

37:मनोविज्ञान के सम्बन्ध में स्किनर की परिभाषा है ?

A “किसी व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक के अधिगम अनुभवों का वर्णन तथा धारणा ही मनोविज्ञान है ।”

B “मुझे बच्चा दो और बताओ कि उसे क्या बनाऊं इंजीनियर , डॉक्टर या अन्य ।“

C “मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है “ ।

D “मनोविज्ञान आचरण तथा व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है ।”

38:मनोविज्ञान के सम्बन्ध में क्रो एंड क्रो की परिभाषा है ?

A “मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है “ ।

B “मुझे बच्चा दो और बताओ कि उसे क्या बनाऊं इंजीनियर , डॉक्टर या अन्य ।“

C “मनोविज्ञान आचरण तथा व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है ।”

D “किसी व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक के अधिगम अनुभवों का वर्णन तथा धारणा ही मनोविज्ञान है ।”

39:मनोविज्ञान के सम्बन्ध में स्किनर की परिभाषा है ?

A “मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है।”

B “किसी व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक के अधिगम अनुभवों का वर्णन तथा धारणा ही मनोविज्ञान है ।”

C “मनोविज्ञान आचरण तथा व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है ।”

D “मुझे बच्चा दो और बताओ कि उसे क्या बनाऊं इंजीनियर , डॉक्टर या अन्य ।“

40:स्किनर किस देश के वैज्ञानिक थे ?

A जापान के ।

B अमेरिका के ।

C इंग्लेंड के ।

D इटली के ।

41:निम्नलिखित में से किसने सबसे पहले प्रश्नावली का निर्माण किया ?

A प्लेटो ने ।

B लोविट ने ।

C वुडवर्थ ने ।

D ब्रूनर ने ।

42:खेलों के माध्यम से बालक में कौनसा गुण विकसित होता है ?

A सामाजिकता का ।

B नैतिकता का ।

C व्यवसायिकता का ।

D भौतिकता का ।

43:“बाल केन्द्रित शिक्षा किसकी दैन है” ?

A शिक्षा शास्त्रियों की ।

B मनोवैज्ञानिक निष्कर्षो की ।

C शिक्षा मनोविज्ञान की ।

D उपरोक्त सभी की ।

44:निम्नलिखित में से “संज्ञानवादी पद्धति” के जनक है -

A वाटसन ।

B जिन प्याजे व ब्रूनर ।

C कोहलर व कोफ्फा ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

45:थार्नडाईक ने शिक्षा मनोविज्ञान का कैसा रुप प्रदान किया ?

A निश्चित एवं स्पष्ट ।

B अनियमित ।

C आंशिक स्पष्ट ।

D उपरोक्त सभी ।

46:शिक्षा मनोविज्ञान के सन्दर्भ में सर्वाधिक उपयुक्त कथन है-

A शिक्षा मनोविज्ञान , दर्शनशास्त्र की एक शाखा है ।

B शिक्षा मनोविज्ञान , मनोविज्ञान की शिक्षा के क्षेत्र में एक शाखा है ।

C शिक्षा मनोविज्ञान , मनोवैज्ञानिक अध्ययन एवं शिक्षण है ।

D शिक्षा मनोविज्ञान , मन का शिक्षित विज्ञान है ।

47:बालकेंद्रित शिक्षा के लिए किस मनोवैज्ञानिक ने शिक्षा शास्त्रियों का ध्यान केन्द्रित किया ?

A कोहलर ने ।

B फ्रायड ने ।

C रूसो ने ।

D स्किनर ने ।

48:निम्नलिखित में से सिग्मंड फ्रायड की अवधारणा है -

A इड ।

B ईगो ।

C सुपर ईगो ।

D उपरोक्त सभी ।

49:मनोभौतिकी विधि में किनके मध्य के संबंधो का अध्ययन किया जाता है ?

A उद्दीपन-अनुक्रिया ।

B अनुक्रिया-उद्दीपन ।

C क्रिया-प्रतिक्रिया ।

D उपरोक्त सभी ।

50:आत्म निरीक्षण विधि द्वारा किनकी क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है ?

A कक्षा- कक्ष में छात्रों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं का ।

B स्वयं की ।

C असाधारण बच्चों की ।

D उपरोक्त सभी का ।

51:“बाल केन्द्रित शिक्षा” किसकी देन है ?

A शिक्षा के राष्ट्रीयकरण की ।

B सर्व शिक्षा अभियान की ।

C शिक्षा मनोविज्ञान की ।

D उपरोक्त सभी की ।

52:शिक्षा के संकुचित अर्थ में शिक्षा प्रदान की जाती है ?

A निश्चित स्थान पर ।

B प्रत्येक समय व स्थान पर ।

C जीवनपर्यंत ।

D उपरोक्त सभी ।

53:बालकों की रूचि , शारीरिक-मानसिक योग्यता तथा विभिन्ताओं का ध्यान किस प्रकार के शिक्षण में रखा जाता है ?

A बहुकक्षीय शिक्षण में ।

B मनोवैज्ञानिक शिक्षण में ।

C सामूहिक शिक्षण में ।

D उपरोक्त सभी में ।

54:निम्नलिखित में से लम्बात्मक विधि का का अध्ययन किसने किया था ?

A कार्ल सी. गैरिसन ने ।

B जॉन ड्यूवी ने ।

C जॉन लोंक ने ।

D उपरोक्त में से किसी ने नहीं ।

55:निम्नलिखित में से मनोविज्ञान को मन का विज्ञान किसने कहा था ?

A जॉन ड्यूवी ने ।

B डगलस ने ।

C अरस्तु ने ।

D स्किनर ने ।

56:निम्नलिखित में से शिक्षा का केंद्र है ?

A शिक्षक ।

B विषय-वस्तु ।

C बच्चे ।

D उपरोक्त सभी ।

57:खेल को ऐच्छिक तथा आत्मप्रेरित क्रिया किस मनोवैज्ञानिक ने बताया ?

A फ्रायड ने ।

B स्टर्न ने ।

C जेम्स ड्रेवर ने ।

D अरस्तु ने ।

58:निम्नलिखित में से समाजमिति विधि के प्रणेता है -

A हरबर्ट ।

B जीन पियाजे ।

C जे एल मोरेनो ।

D थोर्नडाईक ।

59:बालकों में खेलों से विकसित होने वाली शक्तियां है ?

A शारीरिक ।

B मानसिक ।

C सामाजिक ।

D उपरोक्त सभी ।

60:मारिया मौंटेसरी पद्धति में शिक्षा किस माध्यम से दी जाती है ?

A गीतों द्वारा ।

B खेलों द्वारा ।

C उपहारों द्वारा ।

D उपरोक्त सभी माध्यमों द्वारा ।

61:विलियम वुंट तथा टिचनर किस विचारधारा के प्रवर्तक थे ?

A गेस्टाल्ट विचारधारा के ।

B व्यवहारवादी विचारधारा के ।

C संरचनावादी विचारधारा के ।

D उपरोक्त सभी के ।

62:समस्यात्मक बालकों की प्रवृति होती है ?

A समाज विरोधी प्रवृति ।

B झगड़ालू प्रवृति ।

C अपराधी प्रवृति ।

D उपरोक्त सभी ।

63:सबसे पहले मनौवैज्ञानिक प्रयोगशाला किस देश में स्थापितहुई ?

A जापान ।

B अमेरिका

C जर्मनी ।

D ब्रिटेन ।

64:व्यवहारवाद की मुख्य विशेषता है -

A मापन ।

B निरीक्षण ।

C उपरोक्त दोनों ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

65:फ्रायड ने मन की तुलना किससे की ?

A समुद्र में तैरते हुए जहाज से ।

B समुद्र में तैरते हुए मगरमंछ से ।

C समुद्र में तैरते हुए हिमखंड से ।

D उपरोक्त सभी से ।

66:शिक्षकों की तैयारी की आधारशिला होनी चाहिए -

A शिक्षा मनोविज्ञान ।

B पाठ्य पुस्तकें ।

C पाठ्यक्रम ।

D पाठ्यचर्या ।

67:समाजमिति विधि में अध्ययन किया जाता है -

A एक समूह की बनावट का अध्ययन ।

B समाज के आमिर वर्गों का अध्ययन ।

C सामजिक नियमों का अध्ययन ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

68:निम्नलिखित में से किसका सबसे व्यापक क्षेत्र है ?

A शिक्षा मनोविज्ञान का ।

B मनोविज्ञान का ।

C शिक्षा पाठ्यचर्या का ।

D उपरोक्त सभी का ।

69:चेतन, अर्द्ध चेतन तथा अचेतन किसके अंग है ?

A चेतना के ।

B मस्तिष्क के ।

C शरीर के ।

D बुद्धि के ।

70:अन्तःदर्शन विधि दूसरी विधियों से अपेक्षाकृत है -

A पुरानी विधि ।

B नवीन विधि ।

C मध्यम विधि ।

D नवीनतम विधि ।

71:निम्नलिखित में से विलियम वुंट ने मनोविज्ञान को बताया है ?

A मन का विज्ञान ।

B आत्मा का विज्ञान ।

C चेतना का विज्ञान ।

D व्यवहार का विज्ञान ।

72:निम्नलिखित में से मिल्सबरी ने मनोविज्ञान को बताया है ?

A चेतना का विज्ञान ।

B मन का विज्ञान ।

C आत्मा का विज्ञान ।

D मानव व्यवहार का विज्ञान ।

73:विलियम वुंट किस प्रकार के मनोविज्ञान के जनक माने जाते है ?

A प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के ।

B विकासात्मक मनोविज्ञान के ।

C तुलनात्मक मनोविज्ञान के ।

D उपरोक्त सभी के ।

74:पॉवलाव ने मनोविज्ञान के किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया ?

A प्रयोगात्मक अनुकूलन सिद्धांत के ।

B चिरसम्मत अनुकूलन सिद्धांत के ।

C अन्तरदृष्टि सिद्धांत के ।

D सूझ का सिद्धांत के ।

75:व्यक्ति की संवेदना और अभिवृति जानने की सबसे उपयुक्त विधि है ?

A निरीक्षण विधि ।

B प्रश्नावली विधि ।

C साक्षात्कार विधि ।

D उपरोक्त सभी ।

76:प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला जर्मनी में कब स्थापित हुई ?

A 1878 में ।

B 1879 में ।

C 1880 में ।

D 1892 में ।

77:शिक्षा मनोविज्ञान वर्तमान में अपने किस स्वरूप में है ?

A बाल्यावस्था में ।

B जवानी में ।

C शैशवावस्था में ।

D किशोरावस्था में ।

78: मनोविज्ञान अध्ययन की जेनेटिक विधि को अन्य किस नाम से पुकारा जाता है ?

A आनुवंशिक विधि ।

B विकासात्मक विधि ।

C अन्तःदर्शन विधि ।

D उपरोक्त सभी ।

79:मनोविज्ञान की बहिर्दर्शन विधि के जनक है ?

A टाईडमैन ।

B वुडवर्थ ।

C जे.बी. वाटसन ।

D फ्रायड ।

80:किस मनोवैज्ञानिक ने कहा की चेतन मन के साथ अचेतन मन पर भी ध्यान देना चाहिए ?

A जे.बी. वाटसन ने ।

B वुडवर्थ ने ।

C टाईडमैन ने ।

D सिगमंड फ्रायड ने ।

81:बाल केन्द्रित शिक्षा की अवधारण मनोविज्ञान के किस सम्प्रदाय ने दी ?

A गेसटोल्टवाद ने ।

B सरंचनावाद ने ।

C मनोविश्लेषणवाद ने ।

D व्यवहारवाद ने ।

82:गेसटॉल्ट सम्प्रदाय का जन्म किस देश में हुआ ?

A इटली में ।

B जर्मनी में ।

C अमेरिका में ।

D जमैका में ।

83:समग्रवाद में मुख्य रुप से ध्यान दिया जाता है ?

A अंश पूर्ण से की ओर ।

B एक तरफ के अंश की ओर ।

C पूर्ण से अंश की ओर ।

D बीच की ओर ।

84:कौनसा सम्प्रदाय "मनोविज्ञान को चेतना का विज्ञान" मानता है ?

A प्रकार्यवाद ।

B सरंचनावाद ।

C समग्रवाद ।

D व्यवहारवाद ।

85:निम्नलिखित में से जे.बी. वाटसन ने मनोविज्ञान के किस सम्प्रदाय को "मनरहित मनोविज्ञान" की संज्ञा दी ?

A सरंचनावाद को ।

B प्रकार्यवाद को ।

C व्यवहारवाद को ।

D समग्रवाद को ।

86:प्रबलन का सिद्धांत किसने प्रतिपादित किया ?

A जॉन लोक ने ।

B विलियम जेम्स ने ।

C सिगमंड फ्रायड ने ।

D स्किनर ने ।

87:स्थानीय इतिहास के लिए सबसे अधिक उपयोगी शिक्षण विधि है ?

A क्षेत्रीय भ्रमण विधि ।

B पर्यटन विधि ।

C प्रयोगशाला विधि ।

D उपरोक्त सभी ।

88:सामाजिक अध्ययन का सबसे अधिक महत्व किसमें होता है ?

A सामाजिक गतिविधियों में ।

B सामाजिक मूल्यों के विकास में ।

C सामाजिक नियमों में ।

D सामाजिक सुधारों में ।

89:प्रजातान्त्रिक मूल्यों एवं सिद्धांतों का अनुसरण कुंडी विधि करती है ?

A समाजमिति विधि ।

B वाद-विवाद विधि ।

C सामाजिक अध्ययन विधि ।

D उपरोक्त सभी विधियां ।

90:सामाजिक अध्ययन पढाने की प्राथमिक कक्षाओं में सर्वाधिक उपयुक्त विधि है ?

A कहानी विधि ।

B वाद-विवाद विधि ।

C समाजमिति विधि ।

D उपरोक्त सभी विधियां ।

91:अधिगम के लिए प्रथम शर्त क्या है ?

A सीखने वाले की अभिप्रेरणा ।

B सीखने वाले का मानसिक स्तर ।

C सीखने वाले की बुद्धि ।

D सीखने वाले की अभिवृति ।

92:अधिगम के लिए द्वितीय शर्त क्या है ?

A सीखने वाले का मानसिक स्तर ।

B सीखने वाले की बहु-अनुक्रियाएँ ।

C सीखने वाले की बुद्धि ।

D सीखने वाले की अभिवृति ।

93:अधिगम के लिए तृतीय शर्त क्या है ?

A सीखने वाले का मानसिक स्तर ।

B सीखने वाले की बुद्धिलब्धि ।

C सीखने वाले को पुनर्बलन ।

D सीखने वाले का मन ।

94:अधिगम के लिए चतुर्थ शर्त क्या है ?

A सीखने वाले का अभ्यास ।

B सीखने वाले का घर का माहौल ।

C सीखने वाले की बुद्धिलब्धि ।

D सीखने वाले का मन ।

95:"अधिगम अपेक्षाकृत व्यवहार में स्थायी परिवर्तन है जो अभ्यास अथवा अनुभव के परिणास्वरूप होता है ।" यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी ?

A गेट्स ने ।

B मार्गन ने ।

C वुडवर्थ ने ।

D गिल्फोर्ड ने ।

96:"अनुभव एवं प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में संशोधन ही अधिगम है ।" यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है ?

A मार्गन ने ।

B वुडवर्थ ने ।

C गेट्स ने ।

D गिल्फोर्ड ने ।

97:"अधिगम, आदतों, ज्ञान और अभिवृतियों का अर्जन है ।" यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है ?

A मार्गन ने ।

B क्रो एंड क्रो ने ।

C वुडवर्थ ने ।

D गिल्फोर्ड ने ।

98:"व्यवहार के कारण व्यवहार परिवर्तन अधिगम है ।" यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है ?

A क्रो एंड क्रो ने ।

B मार्गन ने ।

C गिल्फोर्ड ने ।

D वुडवर्थ ने ।

99:“पूर्व निर्मित व्यवहार में अनुभव द्वारा परिवर्तन ही अधिगम है ? यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है ?

A कालविन ।

B क्रो एंड क्रो ने ।

C गिल्फोर्ड ने ।

D मार्गन ने ।

100:“अधिगम व्यक्ति में एक प-परिवर्तन है जो उसके वातावरण के परिवर्तनों के अनुसरण में होता है।” ? यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है ?

A क्रो एंड क्रो ने ।

B गिल्फोर्ड ने ।

C मार्गन ने ।

D पील ।

101:“प्राणी के व्यवहार में परिवर्तन लाना ही अधिगम का अभिप्राय है ।” यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है ?

A क्रो एंड क्रो ने ।

B एस.एस. चौहान ।

C गिल्फोर्ड ने ।

D मार्गन ने ।

102:1952 में किस शिक्षा शास्त्री ने अपने शोध द्वारा यह कहा किशैशवावस्था से बाल्यावस्था एवं बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक सिखने की गति तेज हो जाती है ?

A मार्गन ने ।

B पील ने ।

C कालविन ने ।

D गिल्फोर्ड ने ।

103:विभिन्न व्यक्तियों में अभिक्षमताएँ होती है -

A असमान ।

B एक ही प्रकार की ।

C समान ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

104:निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक ने बताया कि यदि हममें किसी कार्य को करने की तत्परता है तब हम उसे शीघ्र सीख लेते है ?

A थोर्नडाईक ने ।

B पॉवलाव ने ।

C कोहलर ने ।

D वर्दाइमर ने ।

105:निम्नलिखित में से समतात्विक सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है ?

A स्पीयरमेन ।

B कोहलर ।

C थोर्नडाईक ।

D कोफ्फा ।

106:निम्नलिखित में से द्वितात्विक सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है ?

A थोर्नडाईक ।

B कोहलर ।

C कोफ्फा ।

D स्पीयरमेन ।

107:निम्नलिखित में से मूल्यों के अभिज्ञान का सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है ?

A बागले ।

B थोर्नडाईक ।

C कोहलर ।

D कोफ्फा ।

108:निम्नलिखित में से सहचार्यवाद सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है ?

A लोक ।

B हॉल्स ।

C बर्कले ।

D उपरोक्त सभी ।

109:निम्नलिखित में से क्रिया प्रसूत अनुबंध का सिद्धांत तथा पुनर्बलन के सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है ?

A बर्कले ।
B थोर्नडाईक ।
C स्किनर ।
D कोहलर ।

110:प्रबलन का सिद्धांत किसने प्रस्तुत किया ?
A सी.एल.हल ने ।
B थोर्नडाईक ने ।
C पॉवलोव ने ।
D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

111:निम्नलिखित में से अधिगम का सिद्धांत नहीं है ?
A सम्बन्धवाद का सिद्धांत ।
B डॉप्लर सूझ का सिद्धांत ।
C अनुकूलित अनुक्रिया का सिद्धांत ।
D पुनर्बलन का सिद्धांत ।

112:वह प्रथम अमेरिकी मनौवैज्ञानिक जिसने पशुओं पर सर्वप्रथम प्रयोग किये ?
A बागले ।
B कोहलर ।
C थोर्नडाईक ।
D कोफ्फा ।

113:निम्नलिखित में से कौनसे मनोवैज्ञानिक का मनोविज्ञान "बंध मनोविज्ञान" या "संयोजनवाद" कहलाता है ?
A बागले का ।
B थोर्नडाईक का ।
C कोफ्फा का ।
D थोर्नडाईक का ।

114:गेस्टाल्ट के सिद्धांत का शिक्षा में अनुप्रयोग है ?
A स्थिति का स्प्ष्ट संगठन ।
B अधिगम स्तर के अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण ।

C स्व क्रिया द्वारा खोज हेतु प्रोत्साहन ।
D उपरोक्त सभी ।

115:सक्रिय अनुबंध का निम्नलिखित में से शिक्षा में कौनसा अनुप्रयोग नहीं है ?
A व्यवहार को अपेक्षित रुप देना ।
B मनस्तापी बालकों के प्रक्षिक्षण में ।
C व्यवहार को अपेक्षित रुप देना ।
D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

116:निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक का सिद्धांत "सुव्यवस्थित व्यवहार का सिद्धांत" के नाम से जाना जाता है ?
A बर्कल का ।
B सी.एल.हल का ।
C थोर्नडाईक का ।
D कोहलर का ।

117:"अध्यापक को चाहिए की सिखने की प्रारंभिक अवस्था में वह बच्चों की अधिक से अधिक सहायता करें एवं अधिक पुनर्बलन प्रदान करें तथा सिखने की अंतिम अवस्था में न्यूनतम सहायता करे ।"
यह कथन किस मनोवैज्ञानिक के सिद्धांत पर आधारित है ?
A कालविन के ।
B स्किनर के ।
C सी.एल.हल के ।
D गिल्फोर्ड के ।

118:टॉलमेन का "चिह्न अधिगम का सिद्धांत" अन्य किस नाम से जाना जाता है ?
A चिह्न गेस्टाल्ट सिद्धांत ।
B चिह्न सार्थकता सिद्धांत या प्रत्याशा सिद्धांत ।
C सप्रयोजन व्यवहारवाद ।
D उपरोक्त सभी ।

119:वोल्फ गेंग कोहलर द्वारा "अंतर्दृष्टि अधिगम" का प्रयोग कब किया गया ?
A सन् 1921में ।
B सन् 1922 में ।
C सन् 1917 में ।
D सन् 1920 में ।

120:“अंतर्दृष्टि अधिगम” में समस्या की किस स्थिति पर ध्यान दिया जाता है ?

A सम्पूर्ण स्थिति पर ।

B प्रारंभिक स्थिति पर ।

C विशेष स्थिति पर ।

D लुप्त स्थिति पर ।

121:निम्नलिखित में से स्टेनले हॉल द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत है ?

A सप्रयोजन व्यवहारवाद का सिद्धांत ।

B पुनर्बलन का सिद्धांत ।

C पुनरावृति का सिद्धांत ।

D द्वितात्विक सिद्धांत ।

122:निम्नलिखित में से स्पीयरमैन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत है ?

A प्रत्यागमन का सिद्धांत ।

B व्यवहारवाद का सिद्धांत ।

C द्वितात्विक सिद्धांत ।

D सामान्य एवं विशिष्ट सिद्धांत ।

123:स्वप्रेरणा द्वारा अधिगम कैसा होता है ?

A कम प्रभावशाली ।

B बहुत प्रभावशाली ।

C सामान्य ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

124:पेस्टॉलोजी के 3-H के संप्रत्यय में H का क्या अर्थ क्या है ?

A हेड ।

B हार्ट ।

C हैण्ड ।

D उपरोक्त सभी ।

125:तत्परता तथा कार्य सिखने की गति में निम्नलिखित में से कौनसा सम्बन्ध होता है ?

A कार्य सिखने की गति , तत्परता के व्युताक्रमानुपाती होती है ।

B कार्य सिखने की गति , तत्परता से अप्रभावित रहती है ।

C कार्य सिखने की गति तथा तत्परता दोनों ही अधिगम के अभिन्न संप्रत्यय है ।

D कार्य सिखने की गति , तत्परता के समानुपाती होती है ।

126:एक छात्र के अधिगम पर उसकी आर्थिक स्थिति का किस प्रकार प्रभाव पड़ता है ?

A अमीर छात्र अधिक अधिगम करता है ।

B किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता है ।

C गरीब छात्र कम अधिगम करता है ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

127:निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक ने अपने प्रयोग कुत्ते पर किये ?

A थोर्नडाईक ने ।

B बागले ने ।

C पॉवलोव ने ।

D कोहलर ने ।

128:कोहलर ने "सुल्तान" पर प्रयोग किया । सुलतान किसका नाम था ?

A व्यक्ति का नाम ।

B चिम्पाजी ।

C कुता ।

D चूहा ।

129:काम प्रवृति पर सबसे अधिक बल किस मनोवैज्ञानिक ने दिया ?

A बी.एफ. स्किनर ने ।

B हेगर्टी ने ।

C सिगमंड फ्रायड ने ।

D थर्स्टन ने ।

130:"तत्परता का नियम" अधिगम का किस प्रकार का नियम है ?

A मुख्य नियम ।

B सहायक नियम ।

C गौण नियम ।

D उपरोक्त सभी ।

131:थार्नडाईक के अधिगम नियम में सर्वाधिक प्रधानता किसको है ?

A तत्परता को ।

B अभ्यास को ।

C काम प्रवृति को ।

D प्रभाव को ।

132:“अधिगम का ठोस सिद्धांत” किस मनोवैज्ञानिक द्वारा दिया गया ?

A बी.एफ. स्किनर द्वारा ।

B हेगर्टी द्वारा ।

C थोर्नडाईक द्वारा ।

D थर्स्टन द्वारा ।

133:निम्नलिखित में से किसके अनुकरण से बालक नया ज्ञान प्राप्त करता है ?

A शिक्षकों के ।

B दोस्तों (सहपाठियों) के ।

C माता-पिता के ।

D उपरोक्त सभी के ।

134:निम्नलिखित में से अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक है सिवाय -

A अभिप्रेरणा ।

B रूचि ।

C शारीरिक शक्ति ।

D पुनर्बलन ।

135:निम्नलिखित में से काम किस प्रकार का प्रेरक है ?

A अर्जित प्रेरक ।

B इच्छित प्रेरक ।

C प्राकृतिक प्रेरक ।

D उपरोक्त सभी प्रकार का ।

136:स्प्ष्टता के नियम में विचार होते है -

A स्प्ष्ट ।

B अस्प्ष्ट ।

C सामान्य ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

137:सन् 1879 में वुंट ने किस विधि को व्यवहारिक प्रयोग के रुप में आरम्भ किया ?

A जीवनवृत विधि ।

B प्रयोगात्मक विधि को ।

C प्रश्नावली विधि ।

D मनोविश्लेषणात्मक विधि ।

138:अनुभव एवं प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन लाना क्या कहलाता है ?

A प्रेरकों का शमन ।

B व्यवहार कुशलता ।

C सभ्यता ।

D अधिगम ।

139:निम्नलिखित में से आदत होती है -

A संवेदनात्मक क्रिया ।

B मूल संवेगात्मक क्रिया ।

C पूर्व अनुभवों की पुनरावृति ।

D उपरोक्त सभी ।

140:ज्ञानात्मक अधिगम , गामक अधिगम संवेदनात्मक अधिगम क्या है ?

A अधिगम के प्रकार ।

B अधिगम की अवस्था ।

C अधिगम की प्रकृति ।

D अधिगम स्थानांतरण ।

141:बी.एफ. स्किनर का टेंटोफोन किसका आकलन करता है ?

A मानसिक स्तर का ।

B व्यक्तित्व का ।

C अधिगम स्थानान्तरण का

D उपरोक्त सभी का ।

142:प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक एन.ए. क्राउडर किस प्रकार के अनुदेशन के जनक थे ?

A शाखात्मक अभिक्रमित अनुदेशन के ।

B अनुकूलित अभिक्रमित अनुदेशन के ।

C श्रृंखला अभिक्रमित अनुदेशन के ।

D उपरोक्त सभी के ।

143:साईमन बिने के अनुसार बुद्धि क्या है ?

A पहचानने तथा सुनने की शक्ति ।

B केवल सुनने की शक्ति ।

C केवल पहचानने की शक्ति ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

144:उतेजक-अनुकूलन सिद्धांत का सम्बन्ध किस मनोवैज्ञानिक से है ?

A बी.एफ. स्किनर से ।

B थोर्नडाईक से ।

C हेगर्टी से ।

D थर्स्टन से ।

145:निम्नलिखित में से किस महान मनोविज्ञानी ने बिल्ली पर प्रयोग करके प्रयत्न एवं भूल का सिद्धांत प्रतिपादित किया ?

A स्किनर ने ।

B पॉवलोव ने ।

C कोहलर ने ।

D थोर्नडाईक ने ।

146:पुनरावृति का सिद्धांत किस प्रसिद्ध मनोविज्ञानी से सम्बंधित है ?

A थर्स्टन से ।

B स्टेनले हॉल से ।

C स्किनर से ।

D फ्रायड से ।

147:अधिगम से सम्बंधित बहु प्रतिक्रिया का नियम किस श्रेणी का नियम है ?

A मुख्य नियम ।

B गौण नियम ।

C मुख्य एवं गौण दोनों प्रकार का ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

148:निम्नलिखित में से कौनसी अधिगम की विधि है ?

A छूकर सीखना ।

B सुनकर सिखना ।

C करके सिखना ।

D उपरोक्त सभी ।

149:अभिप्रेरणा तथा उद्देश्य सिखने की प्रक्रिया को क्या प्रदान करते है ?

A प्रेरणा ।

B बाधा उत्पन्न करते है ।

C उपरोक्त दोनों ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

150:“सूझ वास्तविक स्थिति का आकस्मिक , निश्चित और तात्कालिक ज्ञान है ।” यह किस मनोविज्ञानी का कथन है ?

A गेट्स का ।

B गुड का ।

C प्लेटो का ।

D पीटरसन का ।

151:“सीखना आदतों, ज्ञान और अभिवृतियों का अर्जन है ।” यह किस मनोविज्ञानी का कथन है ?

A गेट्स का ।

B क्रो एंड क्रो का ।

C फ्रायड का ।

D जेम्स ड्रेवर का ।

152:“स्थानांतरण निश्चित परिस्थितियों में निश्चित मात्रा में हो सकता है ।” यह किस मनोविज्ञानी का कथन है ?

A स्किनर का ।

B थोमसन का ।

C रायबर्न का ।

D हल का ।

153:“प्रेरणा कार्य को प्रारंभ करने, जारी रखने और नियमित करने की प्रक्रिया है ।” यह किस मनोविज्ञानी का कथन है ?

A गुड का ।

B स्किनर का ।

C थोमसन का ।

D हल का ।

154:निम्नलिखित में से बाह्य प्रेरणा का वास्तव में अर्थ क्या है ?

A साकारात्मक प्रेरणा को ।

B नकारात्मक प्रेरणा को ।

C ज्ञानात्मक प्रेरणा को ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

155:निम्नलिखित में से किसके द्वारा शिक्षक बालक के व्यवहार में परिवर्तन करता है ?

A पुनर्बलन द्वारा ।

B प्रशंसा द्वारा ।

C उपरोक्त दोनों के द्वारा ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

156:बालकों में अनुशासन की भावना किसको ग्रहण करने से विकसित होती है ?

A आदर्शों को ग्रहण करने से ।

B महापुरुषों की बातो व आदतों को ग्रहण करने से ।

C उत्तम गुणों को ग्रहण करने से ।

D उपरोक्त सभी से ।

157:थॉमसन के अनुसार “प्रेरणा बालकों में ------------उत्पन्न करने की कला है ।” रिक्त स्थान में उपयुक्त विकल्प क्या होगा ?

A ज्ञान ।

B रूचि ।

C आदर्श ।

D उपरोक्त सभी ।

158:क्रो एंड क्रो के अनुसार “प्रेरक व्यक्ति को उस क्रिया को चुनने में सहायता देते हैं ,जिसे करने की उसकी -------- होती है ।” रिक्त स्थान में उपयुक्त विकल्प क्या होगा ?

A लगन ।

B इच्छा ।

C आवश्यकता ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

159:निम्नलिखित में से प्रेरणा विधि के रुप है -

A प्रतिद्वन्द्विता ।

B सामूहिक कार्य ।

C प्रशंसा ।

D उपरोक्त सभी ।

160:इन्द्रियों के अनुभवों द्वारा हम वस्तुओं के बारे में कैसे बता सकते है ?उन्हें -

A चखकर ।

B सूंघकर ।

C छूकर ।

D उपरोक्त सभी क्रियाओं द्वारा ।

161:"किसी बात को अच्छी तरह याद रखने के लिए अच्छी तरह सीख लेना,आधी से ज्यादा लड़ाई जीत लेना है ।" यह कथन किस प्रसिद्ध मनोविज्ञानी का है ?

A स्किनर का ।

B गिल्फोर्ड का ।

C रायबर्न ।

D हेबर का ।

162:स्थायी स्मृति की बातों की विशेषता होती है ?

A स्थायी स्मृति की बातें हमेशा याद रहती है ।

B स्थायी स्मृति की बातें समय के साथ धुंधली हो जाती है ।

C स्थायी स्मृति की बातें याद करने पर याद आ जाती है ।

163:सक्रिय स्मृति की क्या विशेषता होती है ?

A प्रयास करने पर पुनः याद नहीं आती है ।

B हमेशा याद रहती है ।

C प्रयास करने पर पुनः याद आ जाती है ।

D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

164:किसी एक प्रकार का विचार की याद आने पर दुसरे विचार की याद स्वतः ही आ जाती है । यह किसके कारण होता है ?

A मष्तिष्क की क्रियाशीलता के द्वारा ।

B तेज स्मृति के द्वारा ।

C विचार साहचर्य द्वारा ।

D उपरोक्त सभी के द्वारा ।

165:निम्नलिखित में से मनोभाव के नियम का उदहारण है -

A दुखी एवं हीन व्यक्ति हमेशा दुखों का ही स्मरण करता है ।

B कामी व्यक्ति हमेशा कामुक बातों का ही स्मरण करता है ।

C प्रफ्फुलित व्यक्ति हमेशा अच्छी बातों का ही स्मरण करता है ।

D उपरोक्त सभी ।

166:निम्नलिखित में से खण्ड विधि किनके लिए उपयोगी है ?

A कम बुद्धि वाले बालकों के लिए ।

B उम्र में छोटे बालकों के लिए ।

C साधारण बालकों के लिए ।

D उपरोक्त सभी प्रकार के बालकों के लिए ।

167:यदि कोई बालक मन ही मन याद करता है तो यह कौनसी विधि कहलाती है ?

A सक्रिय विधि ।

B निष्क्रिय विधि ।

C आगमन विधि ।

D आत्म मनन विधि ।

168:"नई बातों को सीखना पुरानी बातों में बाधा डालना है तथा पुरानी बातों को याद करना नईं बातों को सिखने में बाधा डालना है ।" यह कथन किस महान मनोविज्ञानी का है ?

A फ्रोबेल का ।

B फ्रायड का ।

C वुडवर्थ का ।

D गिल्फोर्ड का ।

169:निम्नलिखित में से सी.एल. हल द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत है -

A अंतर्दृष्टि का सिद्धांत ।

B पुनर्बलन का सिद्धांत ।

C क्षेत्र सिद्धांत ।

D पुनरावृति का सिद्धांत ।

170:S-R (stimu|us-response) theory की शिक्षा में निम्नलिखित उपयोगिता है सिवाय -

A इसमें अभ्यास द्वारा विद्यार्थी को किसी भी कार्य में कुशल बनाया जा सकता है ।

B इसके द्वारा गलतियों एवं भूलों का निराकरण किया किया जा सकता है ।

C इसके द्वारा मनोवृतियों का विकास किया जा सकता है ।

D विज्ञान व गणित विषयों के लिए अत्यंत उपयोगी ।

171:किसी भी अच्छे कार्य के लिए सकारात्मक पुनर्बलन तथा गलत कार्य के लिए नाकारात्मक पुनर्बलन देने की व्यवस्था किस सिद्धांत में है ?

A सम्बन्ध प्रतिक्रिया सिद्धांत में ।

B क्रिया प्रसूत अनुबंध सिद्धांत में ।

C उद्दीपन-अनुक्रिया सिद्धांत में ।

D पुनर्बलन सिद्धांत में ।

172:“शिक्षक को हमेशा विषय वस्तु तथा अधिगम क्रियाओं को दोहराना चाहिए ताकि बालकों की आदतों को बेहतर बनाया जा सके । “ यह वाक्य किस सिद्धांत पर आधारित है ?

A प्रबलन के सिद्धांत पर ।

B विधिक सिद्धांत पर ।

C री-इन्फोर्समेंट सिद्धांत पर ।

D उपरोक्त सभी सिद्धांतों पर ।

173:जेरोम एस. ब्रूनर ने अधिगम का कौनसा सिद्धांत प्रस्तुत किया ?

A स्थानापन्नता का सिद्धांत ।

B अन्वेषण का सिद्धांत ।

C दशा का सिद्धांत ।

D उद्देश्यवाद का सिद्धांत ।

174:एडवर्ड टोलमेन ने अधिगम का कौनसा सिद्धांत प्रस्तुत किया ?

A स्थानापन्नता का सिद्धांत ।

B दशा का सिद्धांत ।

C उद्देश्यवाद का सिद्धांत ।

D अन्वेषण का सिद्धांत ।

175:एडविन गूथरी ने अधिगम का कौनसा सिद्धांत प्रस्तुत किया ?

A स्थानापन्नता का सिद्धांत ।

B अन्वेषण का सिद्धांत ।

C दशा का सिद्धांत ।

D उद्देश्यवाद का सिद्धांत ।

176:आसुबेल ने अधिगम का कौनसा सिद्धांत प्रस्तुत किया ?

A अन्वेषण का सिद्धांत ।

B दशा का सिद्धांत ।

C उद्देश्यवाद का सिद्धांत ।

D शाब्दिक अधिगम का सिद्धांत ।

177:हेगरटी ने अधिगम का कौनसा सिद्धांत प्रस्तुत किया ?

A अन्वेषण का सिद्धांत ।

B दशा का सिद्धांत ।

C अनुकरण द्वारा अधिगम का सिद्धांत ।
D उद्देश्यवाद का सिद्धांत ।

178: क्षेत्र सिद्धांत प्रतिपादित करने वाले प्रसिद्ध मनोविज्ञानी कुर्ट लेविन किस देश के थे ?
A जापान ।
B जर्मनी ।
C अमेरिका ।
D फ्रांस ।

179:सुकरात था -
A मनोवैज्ञानिक ।
B एक दार्शनिक ।
C चिकित्सक ।
D उपरोक्त सभी ।

180:सुकरात की अध्ययन पद्धति को क्या कहा जाता है ?
A विचारात्मक पद्धति ।
B एकात्मक पद्धति ।
C रसात्मक पद्धति ।
D द्वन्द्वात्मक पद्धति ।

181:वर्दाइमर , कोहलर तथा कोफ्फा किस देश के मनोवैज्ञानिक थे ?
A ब्रिटेन के ।
B रूस के ।
C जर्मनी के ।
D अमेरिका के।

182:स्याही के धब्बों वाला परीक्षण किसने किया ?
A सुकरात ने ।
B हरमन रोशा ने ।
C किल्पेट्रिक ने ।
D वुंट ने ।

183:स्याही के धब्बों वाला परीक्षण (प्रक्षेपण विधि)का निर्माण हरमन रोशा द्वारा कब किया गया ?
A सन् 1920 में ।

B सन् 1927 में ।

C सन् 1921 में ।

D सन् 1918 में ।

184:स्याही के धब्बों वाला परीक्षण (प्रक्षेपण विधि) का निर्माण करने वाला मनोवैज्ञानिक हरमन रोशा किस देश का था ?

A स्विटजरलैंड का । B जर्मनी का ।

C ब्रिटेन का । D रूस का ।

185:बुद्धि लब्धि के सम्बन्ध में सबसे पहले विचार रखने वाला मनोवैज्ञानिक कौन था ?

A मैरिल । B टरमन ।

C मैसलो D जॉन ड्यूवी ।

186:बुद्धि लब्धि किसके सामान होती है ?

A (मानसिक आयु ×वास्तविक आयु) × 100

B (मानसिक आयु - वास्तविक आयु) × 100

C (मानसिक आयु ÷वास्तविक आयु) × 100

D (मानसिक आयु +वास्तविक आयु) × 100

187:मैसलो के अनुसार प्रेरक कितने प्रकार के होते है ?

A एक प्रकार का । B सात प्रकार के ।

C तीन प्रकार के D दो प्रकार के ।

188:भूख, प्यास तथा निद्रा किस प्रकार के प्रेरक है ?

A जन्मजात प्रेरक । B प्राथमिक प्रेरक ।

C अर्जित प्रेरक । D ऑप्शन A व B दोनों ।

189:निम्नलिखित में से प्राथमिक प्रेरक नहीं है -

A भूख । B प्यास ।

C रूचि । D निद्रा ।

190:निम्नलिखित में से अर्जित प्रेरक नहीं है-

A सामूहिकता की भावना । B रूचि ।

C आदत । D भूख ।

191:निम्नलिखित में से प्रेरकों का प्रकार कौनसा नहीं है ?

A प्राथमिक प्रेरक । B अर्जित प्रेरक ।

C जन्मजात प्रेरक । D उपरोक्त में से कोई नहीं ।

192:जीवन का लक्ष्य ,किस प्रकार का प्रेरक है ?

A प्राथमिक प्रेरक । B अर्जित प्रेरक ।

C जन्मजात प्रेरक । D उपरोक्त सभी ।

193:व्यक्तिगत रूचि ,किस प्रकार का प्रेरक है ?

A प्राथमिक प्रेरक । B जन्मजात प्रेरक ।

C अर्जित प्रेरक । D उपरोक्त सभी ।

194:शिक्षा प्रणाली में अनुकरण को विशेष महत्त्व देने वाले मनोविज्ञानी थे ?

A वर्दाइमर । B जेम्स ड्रेवर ।

C रूसो । D प्लेटो ।

195:"विज्ञान जीवित वस्तुओं के व्यवहार का विधायक विज्ञान है ।" यह कथन किसका है ?

A मेक्डूगल का । B हरमन रोशा का ।

C सुकरात का । D किल्पेट्रिक का ।

196:जनतंत्रीय शिक्षा का सबसे बड़ा व्याख्याता किसे माना जाता है ?

A मेक्डूगल को । B हरमन रोशा को ।

C जॉन ड्यूवी को ।   D सुकरात को ।

198:वर्तमान समय मे मनोविज्ञान है।

A मस्तिष्क का विज्ञान   B व्यवहार का विज्ञान

C चेतना का विज्ञान   D आत्मा का विज्ञान

198: गिल्फोर्ड के बुद्धि सम्बधी सिद्धांत है?

A एकतत्व सिद्धान्त   B द्वितत्व सिद्धांत

C त्रिआयामी   D बहुत्व सिद्धांत

199: लैटिन शब्द 'साइको' का अर्थ है?

A मन   B चेतना

C व्यवहार   D आत्मा

200. साईकिल चलाने वाला स्कुटर चलाना शीघ्र सीख लेता है, यह है-

A शून्य स्थानान्तरण   B लम्बवत स्थानान्तरण

C ऋणात्मक स्थानान्तरण   D धनात्मक स्थानान्तरण